@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 19 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 164 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महिला आरक्षण बिल पर सियासी संग्राम

•दिल्ली में भाजपा ने किया राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक पास नहीं होने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार को भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी के घर के बाहर विरोध जताया। प्रदर्शन में वरिष्ठ भाजपा सांसद हेमा मालिनी भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी का पुतला भी जलाया गया। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस पर नारी शक्ति का अपमान करने का आरोप लगाया और हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मोतीलाल नेहरू मार्ग से सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर तक मार्च करते हुए पहुंचे। कुछ महिला प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए अपने माथे पर

काली पट्टियां बांधी हुई थीं। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने उग्र प्रदर्शन को देखते हुए कुछ कार्यकर्ताओं और नेताओं को डिटेन किया, जिन्हें मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विपक्ष की मानसिकता महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति उनके असली इरादों को उजागर करती है। देश की महिलाएं सब कुछ देख रही हैं और समझ रही हैं। 'नारी शक्ति' के साथ हुए इस अन्याय का जवाब जरूर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पिछले तीस साल से इस देश की आधी आबादी लगातार अपमान सहती आ रही है। इस बिल को सदन में बार-बार लाया गया है। कभी इसे फाड़ दिया जाता है, कभी फेंक दिया जाता है और कभी इसका विरोध किया जाता है। इसके पीछे क्या वजह है। कभी वे कहते हैं कि उन्हें परिसीमन नहीं चाहिए, तो कभी कहते हैं कि उन्हें पुनर्गठन नहीं चाहिए। कभी वे कहते हैं कि इसे 543 सीटों के अंदर ही लागू करो, तो कभी कहते हैं कि सीटों की संख्या बढ़ाओ। कभी वे कुछ खास राज्यों की बात करते हैं, तो कभी आरक्षण के अंदर आरक्षण की और कभी मुस्लिम महिलाओं की।

आज मैं विपक्ष के नेताओं से यह पूछना चाहती हूं, अगर वे मुस्लिम महिलाओं के इतने ही बड़े शुभचिंतक थे तो जब पीएम मोदी ने तीन तलाक कानून पेश किया था, तब उन्होंने उसका विरोध क्यों किया था। मथुरा लोकसभा सीट से सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि कि विपक्ष ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पारित कराने के सभी प्रयास ों को विफल कर दिया। ऐसा लगता है कि विपक्ष को 'नारी शक्ति' पर भरोसा नहीं है।

'महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने की सरकार की साज़िश नाकाम'

विपक्ष की एकता से बचा लोकतंत्र : प्रियंका गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित न होने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने लोकतंत्र की रक्षा की है और परिसीमन से जुड़ी 'साजिश' को विफल कर दिया है। कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून पर तीन साल तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया और हाल ही में जल्दबाजी में अधिसूचना जारी की। उन्होंने मांग की कि पहले के स्वरूप में महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'शुक्रवार को लोकतंत्र की बड़ी जीत हुई है। केंद्र सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने और संघीय ढांचे में बदलाव की कोशिश की, जिसे विपक्ष ने मिलकर नाकाम कर दिया। यह संविधान और देश की जीत है। ' प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर बिल पास करवाकर परिसीमन में मनमानी करना चाहती थी और जातिगत जनगणना से बचना चाहती थी। उनके अनुसार, यदि बिल पारित होता तो सरकार इसे अपनी उपलब्धि बताती और यदि नहीं होता तो विपक्ष को महिला विरोधी करार देती। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े

कई गंभीर मामलों, उन्नाव, हाथरस, महिला खिलाड़ियों और मणिपुर की घटनाओं में सरकार का रवैया उदासीन रहा है। अब वही सरकार खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने की कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने स्पष्ट किया कि यह केवल महिला आरक्षण का मुद्दा नहीं था, बल्कि परिसीमन और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस तरह के प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर सकता था, जिसमें सरकार को बिना पारदर्शिता के फैसले लेने की छूट मिलती।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' बिल गिरने के बाद भाजपा और एनडीए देश भर में विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली । 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से जुड़े संविधान संशोधन बिल के लोकसभा में गिर जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी और एनडीए ने देश भर में विपक्ष के खिलाफ बड़े प्रदर्शन करने का फैसला किया है। भाजपा का कहना है कि विपक्ष ने महिलाओं के आरक्षण को रोककर देश की आधी आबादी के साथ अन्याय किया है। आज भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में करीब दो घंटे तक चली बैठक में अलग-अलग महिला टोलियों के साथ चर्चा हुई। बैठक में सभी महिला सांसदों और महिला मंत्रियों को राज्यवार प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। दिल्ली में भाजपा महिला मोर्चा को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। दिल्ली के सभी लोकसभा क्षेत्रों में महिला मोर्चा प्रदर्शन करेगा।

पंजाब के औद्योगिक विकास को गति देने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान आज से नीदरलैंड के दौरे पर

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़, 18 अप्रैल। राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, अलॉयज एंड स्टील्स, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी समेत प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा निवेश आकर्षित करने के लिए आज नीदरलैंड के दौरे पर रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमारा विजन पूरी तरह स्पष्ट है, जो नीति स्थिरता, तेजी से फैसले लेने और निवेशकों के समय व भरोसे का सम्मान करने वाली शासन व्यवस्था प्रदान करके पंजाब को विश्व स्तर पर उद्योग के लिए प्राथमिकता वाला स्थान बनाने पर केंद्रित है। यह दौरा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नीदरलैंड भारत के लिए सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में से एक है और कई डच कंपनियां पहले से ही पंजाब में अपना कारोबार चला रही हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले अक्टूबर-2023 में विविधा इंडस्ट्रियल पार्क, राजपुरा में डी ह्यूस फैक्टरी का शिलान्यास किया था। इसी प्रकार आलू की फसल के लिए इंडो-डच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहले ही

राज्य में सफलतापूर्वक काम कर रहा है, जो पंजाब और नीदरलैंड के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाता है। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री राज्य के औद्योगिक विकास को और गति देने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी पर जोर देंगे। वे पंजाब की रणनीतिक स्थिति, एनसीआर और प्रमुख बंदरगाहों से निर्बाध संपर्क, मजबूत औद्योगिक क्लस्टर, गुणवत्तापूर्ण निर्बाध बिजली आपूर्ति, कुशल कार्यबल और प्रगतिशील नीति ढांचे को उजागर करके पंजाब को उत्तरी भारत के पसंदीदा निवेश स्थल के रूप में भी प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए प्रमुख प्रशासनिक और नियामक सुधारों को पेश करेगा, जिसमें 173 सरकार से कारोबार सेवाएं, ऑटो-डीम्ड मंजूरियां, पैन-आधारित व्यापारिक पहचान, पंजाब राइट टू बिजनेस एक्ट में संशोधन और फास्टट्रैक पंजाब सिंगल-विंडो सिस्टम शामिल हैं। इस प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य श्रृंखलाबद्ध रोड शो, वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग्स और बड़ी ग्लोबल कॉर्पोरेट कंपनियों व संस्थाओं के साथ चर्चाओं के माध्यम से पंजाब को यूरोपीय देशों के लिए निवेश के आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना और पंजाब में नया निवेश लाना है।

महिला आरक्षण विधेयक पारित न होना सरकार की विफलता नहीं: किरेन रिजिजू

'विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे को विफल कर दिया'

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि इसे सरकार की विफलता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके असहयोग के कारण यह महत्वपूर्ण विधेयक पास नहीं हो सका। बजट सत्र के समापन के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में रिजिजू ने कहा कि यह देश की महिलाओं के साथ 'बड़ा अन्याय' है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे को विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका, जबकि सरकार इसे पास कराने के

लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थी। रिजिजू ने कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में आरक्षण देना लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक आवश्यक कदम था। इस विधेयक का विरोध करना महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और सशक्तिकरण के खिलाफ है।

योगी आदित्यनाथ का धुपगुड़ी से बड़ा ऐलान-

बंगाल में भी चलेगा यूपी मॉडल

एजेंसी
जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धुपगुड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। शनिवार को फणी मैदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

• योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और माफियाओं के खिलाफ 'बुलडोजर एक्शन' जारी रहेगा।

उम्मीदवार नरेश चंद्र राय के समर्थन में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में बीजेपी की सरकार बनती है, तो राज्य को उत्तर प्रदेश की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। अपने भाषण की शुरुआत में उन्होंने जलपेश मंदिर के महादेव और वीर चिला राय को नमन किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों में भी बाधाएं आती थी, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह

बदल चुकी है।

उन्होंने दावा किया कि यूपी में 'लव जिहाद, सड़क पर नमाज और माफिया राज' खत्म हो चुका है और यही मॉडल बंगाल में भी लागू किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और माफियाओं के खिलाफ 'बुलडोजर एक्शन' जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से उत्तर प्रदेश आकर वहां के बदलाव को देखने की भी अपील की। तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने उसे 'लुटेरी सरकार' बताया और आरोप लगाया कि कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल ने मिलकर राज्य को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार द्वारा भेजा गया पैसा सही तरीके से जनता तक नहीं पहुंच रहा है।

बिहार विधानसभा का विशेष सत्र 24 अप्रैल को

सम्राट चौधरी साबित करेंगे बहुमत

एजेंसी
पटना। बिहार विधानसभा का दूसरा सत्र आगामी 24 अप्रैल 2026 को बुलाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह सत्र केवल एक दिन का होगा और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नई सरकार को इसी दिन सदन में अपना बहुमत साबित करना होगा।

विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आह्वान-पत्र में सभी विधायकों से समय पर सदन में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि कार्यवाही निर्धारित समय पर शुरू होगी और सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस विशेष सत्र में नई सरकार के गठन से जुड़े कई अहम कार्य पूरे किए जाएंगे। इसमें विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) का चुनाव, बहुमत परीक्षण और अन्य जरूरी प्रक्रियाएं शामिल हैं। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला विधानसभा सत्र होगा, जिसमें वे सदन में मुख्यमंत्री के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव भी पहली बार इस भूमिका में नजर आएंगे।उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जबकि विजय चौधरी और विजेंद्र यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

दिल्ली में गिरफ्तार आतंकियों के मंसूबे

• राम मंदिर और संसद थे निशाना, हो चुकी थी रेकी; टॉय कार से करते धमाका

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से जिन चार 'कट्टरपंथी' युवकों को गिरफ्तार किया है वह आतंकी गतिविधियों की साजिश रच रहे थे। कुछ संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने के लिए उनकी रेकी की थी और 'एन्क्रिप्टेड' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अन्य लोगों को भर्ती करने की कोशिश कर रहे थे।

टॉय कार से करते धमाका

स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) और उससे जुड़ा सामान जब्त किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दो आरोपी भीड़भाड़ वाली जगहों को निशाना बनाने के लिए आईईडी युक्त रिमोट संचालित टॉय कार को तैयार कर रहे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये कथित तौर पर काले झंडे लेकर चलने वाले 'खुरासान के लश्कर' की अवधारणा से भी प्रेरित थे, जिसका इस्तेमाल उन्होंने दूसरों को कट्टरपंथी बनाने के अपने दुष्प्रचार के हिस्से के तौर पर किया।

लाल किला और इंडिया गेट का की कर चुके थे रेकी

आरोपियों में से एक दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और उसने लाल किला और इंडिया गेट समेत खास जगहों की रेकी की थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस मॉड्यूल ने अयोध्या में राम मंदिर, संसद भवन और कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर संभावित हमलों पर भी चर्चा की थी। चारों आरोपी मोसैब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से हैं।

इन मंचों का करते थे इस्तेमाल

उन्होंने कहा कि आरोपी बंद और 'एन्क्रिप्टेड' सोशल मीडिया समूहों पर सक्रिय थे, जहां जिहाद, कट्टरपंथी सोच और हथियारों से जुड़ी सामग्री साझा की जाती थी। इन मंचों का इस्तेमाल कथित तौर पर नए सदस्यों की पहचान करने और भर्ती करने के लिए किया जाता था।

नोएडा हिंसा का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

यूपी एसटीएफ ने तिरुचापल्ली स्टेशन से पकड़ा

एजेंसी
जलपाईगुड़ी।नोएडा में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मुख्य साजिशकर्ता और एक लाख के इनामी आरोपी आदित्य आनंद को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने उसे तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से दबोचा है। लंबे समय से फरार चल रहे इस आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस बड़ी सफलता मान रही है।

लगाता ठिकाने बदल रहा था आदित्य- पुलिस के अनुसार श्रमिकों के धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को संगठित करने में आदित्य आनंद की मुख्य भूमिका सामने आई थी। जांच में उसे पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड पाया

गया था। जिसके बाद थाना फेज-2 में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही वह लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता फिर रहा था।

महाराष्ट्र सरकार का नया फैसला - रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य

यूनियन ने किया विरोध

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि 1 मई 2026 से, यानी महाराष्ट्र दिवस से राज्य में सभी लाइसेंस प्राप्त ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसके तहत चालकों को मराठी पढ़ना, लिखना और बोलना आना चाहिए। अगर कोई चालक इस भाषा में बुनियादी दक्षता नहीं दिखा पाता, तो उसके लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें चालकों की मराठी भाषा की जांच की जाएगी। यह कदम यात्रियों के साथ बेहतर संवाद और स्थानीय भाषा के सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। सरकार का मानना है कि सार्वजनिक परिवहन में काम करने वाले चालकों को स्थानीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए, ताकि मुसाफिरों की सुविधा बढ़े और कोई गलतफहमी न हो। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह नियम मोटर वाहन नियमों के तहत आता है और

इसकी सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी। इस फैसले पर महाराष्ट्र ऑटोरिक्शा चालक-मालक संघटना संयुक्त कृती समिती ने तीखा विरोध जताया है। संगठन के अध्यक्ष शशांक राव ने कहा कि हम सरकार के इस निर्णय का पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने इसे चालकों पर अनुचित बोझ बताया और मांग की कि सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए।

नारी शक्ति वंदन संशोधन पारित न होने पर पीएम मोदी भावुक, राष्ट्र से मांगी क्षमा

विपक्ष ने की नारी शक्ति के सपनों की भ्रूण हत्या : मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में विपक्ष पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक (नारी शक्ति वंदन संशोधन) के सदन में विफल होने पर प्रधानमंत्री ने इसे देश की लोकतांत्रिक यात्रा का एक काला अध्याय बताया। उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर महिलाओं के अधिकारों की 'भ्रूण हत्या' करने का संगीन आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने भारी मन से कहा कि जब सदन में यह ऐतिहासिक प्रस्ताव गिरा, तो विपक्षी दलों का व्यवहार शर्मनाक था। उन्होंने कहाः मेजें थपथपाईः 'मुझे यह देखकर गहरा दुख हुआ कि जब नारी हित का प्रस्ताव गिरा, तो कांग्रेस, ञस्ष्ट, सपा और ष्ठरूष्ठ जैसी पार्टियां खुशियां मना रही थीं और मेजें थपथपा रही थीं।

'असुरक्षा की भावना : पीएम ने आरोप लगाया कि परिवारवादी पार्टियां महिलाओं की

बढ़ती शक्ति से डर गई हैं। परिसीमन के बाद महिलाओं का कद बढ़ने के डर ने उन्हें इस बिल के विरोध पर मजबूर किया।

'नारी अपमान कभी नहीं भूलती '

विपक्ष को चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद के भीतर जो हुआ, वह केवल राजनीतिक विरोध नहीं बल्कि नारी के आत्मसम्मान पर चोट थी। उन्होंने कहाः 'नारी सब कुछ भूल सकती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। संसद में मेजें थपथपाने वाले इन नेताओं को जब महिलाएं अपने क्षेत्र में देखेंगी, तो उन्हें वह 'जश्न' याद आएगा जो उनकी हार पर मनाया गया था।

पाप की सजा तय है

संबोधन के अंत में पीएम मोदी ने अटूट विश्वास के साथ कहा कि 21वीं सदी की नारी अब 'फॉर ग्रांटेड' नहीं ली जा सकती। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं की भावनाओं का अपमान करने वाले इन दलों को जनता और देश की नारी शक्ति आने वाले समय में उनके इस 'पाप' की सजा अवश्य देगी।

पुणे हवाई अड्डे के रनवे पर लड़ाकू विमान की हार्ड लैंडिंग, विमान परिचालन घंटों रहा ठप

पुणे (एजेंसी)। पुणे हवाई अड्डे पर शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना के एक लड़ाकू विमान के साथ हुई तकनीकी दुर्घटना के बाद रनवे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। यह घटना रात करीब 10:25 बजे उस समय हुई जब लैंडिंग के दौरान लड़ाकू विमान का लैंडिंग गियर अचानक फेल हो गया। विमान की रनवे पर हार्ड लैंडिंग हुई, जिससे वह बीच रास्ते में ही रुक गया और पूरा रनवे ब्लॉक हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए हवाई अड्डा प्रशासन और वायुसेना ने रनवे को साफ करने और परिचालन बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है। भारतीय वायुसेना ने इस मामले पर आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस तकनीकी खराबी के बावजूद चालक दल (एयरक्रू) पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वायुसेना के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने प्रारंभिक अनुमान जताया कि रनवे को पूरी तरह साफ करने और उड़ानों का सामान्य आवागमन फिर से शुरू करने में कम से कम 4 से 5 घंटे का समय लग सकता है। इस आकस्मिक घटना का असर हवाई यातायात पर व्यापक रूप से देखने को मिला। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पुणे आने वाली कम से कम आठ उड़ानों को सूरत, गोवा, नवी मुंबई, चेन्नई और कोयंबटूर जैसे नजदीकी हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट करना पड़ा। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्थिति की पुष्टि करते हुए कहा कि वे हवाई अड्डा निदेशक और वायुसेना के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं ताकि यात्रियों की परेशानी को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। सभी संबंधित एयरलाइंस को इस स्थिति की सूचना दे दी गई है। रनवे बंद होने के कारण शनिवार सुबह की कई महत्वपूर्ण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। रद्द होने वाली उड़ानों में चेन्नई, दिल्ली और बेंगलुरु से आने वाली इंडिगो और अकासा एयर की सेवाएं शामिल थीं। साथ ही पुणे से बेंगलुरु, वडोदरा और दिल्ली जाने वाली उड़ानों को भी निरस्त करना पड़ा। रनवे की बहाली की प्रक्रिया जारी रहने के कारण यात्रियों को भारी देरी और रूट में बदलाव का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। प्रशासन ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने के बाद ही हवाई अड्डे आने की सलाह दी है।

पकड़ा गया नोएडा श्रमिक आंदोलन हिंसा का मास्टरमाइंड, पुलिस ने तमिलनाडु से आदित्य आनंद को दबोचा

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के औद्योगिक क्षेत्र नोएडा में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) तीसरे आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक लाख रूपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में की गई। जांच में सामने आया था कि श्रमिक धरना-प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ गतिविधियों और हिंसा को अंजाम देने में आदित्य आनंद की अहम भूमिका थी। उसे इस पूरे प्रकरण का मुख्य मास्टरमाइंड माना गया। घटना के संबंध में नोएडा फेस दो थाना में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिसके चलते पुलिस ने उसकी तलाश में कई राज्यों में दबिश दी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और अन्य तकनीकी साधनों का भी सहारा लिया गया। पुलिस को बड़ी सफलता तब मिली जब शनिवार को आरोपी को तमिलनाडु के तिरुचापल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले गौतमबुद्धनगर न्यायालय, द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्लू) भी जारी किया गया था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस गिरफ्तारी से श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है और अन्य संलिप्त आरोपियों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती... 5 हथियारबंद बदमाश 15 करोड़ का सोना ले भागे

सिंगरौली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती का मामला सामने आया है। सिंगरौली के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार दोपहर 5 हथियारबंद बदमाश घुसे। फायरिंग कर करीब 9-10 किलो सोना और 20 लाख कैश लेकर फरार हो गए। सोने की कीमत करीब 15 करोड़ आंकी गई है। जानकारी के मुताबिक, लूटा गया सोना ग्राहकों का था, जिसे बैंक ने गिरवी रखकर लोन जारी किया था। सोना एक ही लॉकर में रखा गया था, इसी लॉकर को बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोपी पिट्ठू बैग के साथ एक बड़ा कपड़े का थैला लेकर आए थे। उसी थैले में सारा माल भरकर फरार हो गए। चश्मदीद ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बैंक में काम करा रहे थे, तभी अचानक दो हथियारबंद बदमाश अंदर दाखिल हुए। उन्होंने तुरंत बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद तीन और हथियारबंद साथी अंदर पहुंचे। पूरे बैंक को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों पर बंदूक तान दी, जिससे बैंक परिसर में चीख-पुकार मच गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर रात करीब 10:45 बजे डीजीपी कैलाश मकवाना सिंगरौली पहुंचे। इसके पहले रीवा रेंज के आईजी साकेत प्रसाद पांडे मौके पर पहुंचे। उनके साथ रीवा से फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए आई है।

कुल्लू जिला के मणिकर्ण में लैंडस्लाइड... मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के मणिकर्ण में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसका मलबा और चट्टानें सड़क से गुजर रही गाड़ी पर गिरीं, इससे कई गाड़ी चकनाचूर हो गई। गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। लैंडस्लाइड की यह घटना बरशैणी घट्टीगढ़ पॉइंट की है। बताया जा रहा है कि पहाड़ी से पहले थोड़ा मलबा गिरा। इसके बाद ड्राइवर गाड़ी से बाहर भागा। देखते ही देखते बड़ी-बड़ी चट्टानें भी गाड़ी पर गिरने लगी। बता दें कि, प्रदेश में अप्रैल में सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। इससे कई जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। बीती रात में भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। सलापड़ में सबसे ज्यादा 21.0 मिमी, सलूणी 18.3 मिमी, कुकुमसैरी 14.4, सांगला 7.8, कल्पा 5.2, सराहन 3.0, भरमौर 2.0, सियोबाग 1.8 और जोगेंद्रनगर में 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई।

महिला आरक्षण के दांव को नाकाम करेगी कांग्रेस, पीएम को पत्र लिखकर पुराना बिल लागू करने की करेंगे मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। केंद्र की मोदी सरकार ने जहां महिला आरक्षण बिल लाकर विपक्ष को घेरने की कोशिश की थी वहीं अब कांग्रेस ने एक नया दांव चल दिया है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर पुरान महिला आरक्षण बिल लागू कराने की मांग का निर्णय लिया है।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर भावी रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी समेत गठबंधन के तमाम बड़े चेहरे शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा सरकार की घेराबंदी करना और महिला आरक्षण को बिना किसी अतिरिक्त शर्त के लागू करवाने पर जोर देना रहा। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी नेताओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि वे प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर पुराने महिला आरक्षण प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग करेंगे। विपक्ष का सीधा आरोप है कि सरकार इस विधेयक की आड़ में 'परिसीमन' जैसे पैंतरे अपनाकर देश के राजनीतिक संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

देशभर में कांफ्रेंस कर जनता को बताएंगे हकीकत

बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जनता के बीच जाएंगे और यह संदेश देंगे कि वे आरक्षण के पक्ष में तो हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े किसी भी गुप्त राजनीतिक एजेंडे का विरोध करते हैं। इससे पहले सदन में चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर ओबीसी समाज के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 2010 में कांग्रेस नेतृत्व ने राज्यसभा में इस बिल को पारित कराया था, लेकिन तब लोकसभा में आम सहमति नहीं बन सकी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार अब 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की बात क्यों कर रही है, जबकि इसमें ओबीसी वर्ग के सटीक आंकड़े मौजूद नहीं हैं। विपक्ष का कहना है कि सरकार नई जातीय

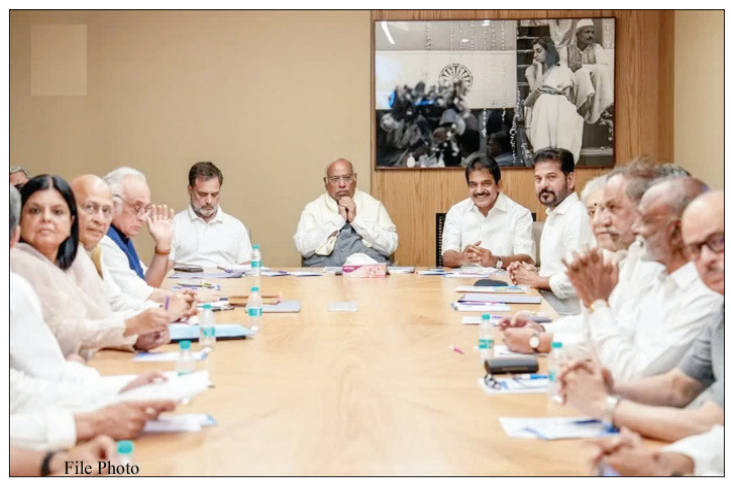
File Photo

जनगणना से घबरा रही है क्योंकि उससे पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या सामने आ जाएगी। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन के जरिए राज्यों के प्रतिनिधित्व के साथ छेड़छाड़ करने की योजना है, जो लोकतांत्रिक ढांचे के लिए ठीक नहीं है। विपक्ष ने स्पष्ट किया है कि जब तक सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर देशव्यापी सियासी बयानबाजी और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

राहुल गांधी को राहत देते हुए बोला कोर्ट- फिलहाल दर्ज नहीं होगी एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में फिलहाल बड़ी राहत मिल गई है। दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उनके खिलाफ दर्ज की जाने वाली एफआईआर पर अस्थायी रोक लगा दी है।

कोर्ट ने अपने ही पूर्व आदेश को स्थगित करते हुए कहा कि संबंधित पक्ष को बिना नोटिस दिए एफआईआर का निर्देश देना उचित नहीं था। जानकारी अनुसार शनिवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर जारी आदेश में कहा गया है, कि विपक्षी पक्ष को पहले नोटिस दिया जाना चाहिए। इसी के साथ अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है। दरअसल, एक दिन पहले ही ओपन कोर्ट में हाईकोर्ट ने कथित दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह इस मामले की जांच स्वयं करे या फिर किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपे। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि आरोपों की सच्चाई जांच का विषय है। इससे पहले यह मामला लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में पहुंचा था, जहां राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने निचली अदालत के 28 जनवरी 2026 के आदेश को चुनौती दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर जांच की जानी चाहिए। फिलहाल हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद राहुल गांधी को अस्थायी राहत मिल गई है।

अभिषेक बनर्जी की अमित शाह को खुली चुनौती... मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल काफी गर्माया हुआ है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली चुनौती देकर कहा कि अगर उनमें हिम्मत हैं, तब वे 4 मई, यानी मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें। उन्होंने यह बयान पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भगवानपुर में चुनावी रैली के दौरान दिया।

टीएमसी महासचिव बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस फिर सत्ता में वापसी करेगी और ममता जी चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह चुनाव से पहले टीएमसी कार्यकर्ताओं को डराने और धमकाने की कोशिश में जुटी है। उनके अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से संदेश दिया जा रहा है कि तृणमूल कार्यकर्ता घर से बाहर न निकलें, अन्यथा उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। इस पर पलटवार कर अभिषेक ने कहा कि बंगाल की जनता को डराने की हिम्मत किसी में नहीं है।

उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि उनके पास ब्लॉक और पंचायत स्तर तक की एक सूची तैयार है, जिसके आधार पर ÷मूलधन और ब्याज सहित हिसाब चुकता÷ होगा। इस बयान को राजनीतिक जवाबी कार्रवाई के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, भाजपा पहले ही आरोप लगा चुकी है कि टीएमसी के शासन में उसके कई कार्यकर्ताओं की हत्या हुई और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया। अभिषेक ने इस चुनाव को 'दिल्ली की सत्ता बनाम बंगाल के लोग' की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्र की शक्तिशाली सरकार और उसके संसाधन हैं, जबकि दूसरी तरफ बंगाल के करोड़ों लोग और एक साधारण महिला ममता जी खड़ी हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों को 'बांग्लादेशी' कहकर और उनके खान-पान पर टिप्पणी करके उनका अपमान कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की लोकप्रिय योजनाओं, विशेषकर 'लक्ष्मी भंडार' का उल्लेख कर भरोसा दिलाया कि टीएमसी सरकार बनने पर ये योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट के जरिए इन आरोपों का जवाब दें। कुल मिलाकर, चुनाव से पहले दोनों प्रमुख दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

स्टालिन ने परिसीमन बिल को बताया काला कानून, बिल के गिरने को बताया देश की जीत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 की विफलता का जश्न मनाकर परिसीमन नामक काले कानून के खिलाफ जीत बताया। उन्होंने विधेयक को हराने में अहम भूमिका निभाने के लिए इंडिया गठबंधन के सांसदों को धन्यवाद दिया। सीएम स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार और विपक्षी नेताओं ने करीब एक साल पहले ही मुद्दे का अनुमान लगा लिया था और प्रस्तावित कानून की प्रतियां जलाने सहित विरोध प्रदर्शनों का एक समन्वित अभियान चलाया था, जिससे सार्वजनिक रूप से और संसद के भीतर भी प्रतिरोध पैदा करने में मदद मिली।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो में स्टालिन ने कहा कि मैं आपके सामने खुशी और नई ऊर्जा के साथ खड़ा हूं। परिसीमन नामक काले कानून के खिलाफ हमारा संघर्ष सफल हुआ है। एक साल पहले ही खतरे का अनुमान लगाकर हम सभी ने इस जीत को हासिल करने के लिए सभी आवश्यक कार्य शुरू कर दिए थे। मुख्यमंत्रियों और विपक्षी नेताओं की समन्वय बैठक से शुरू करते हुए, हमारी पार्टी ने परसों काला झंडा उठाया और काले कानून की एक प्रति जलाई। मैंने कहा था, आग को फैलने दो, और यह संसद में भी फैल गई है।

उन्होंने तमिलनाडु की जनता, विशेषकर महिलाओं को, विधेयक को महिला आरक्षण के बहाने लागू करने के धोखे भरे प्रयास का विरोध करने का श्रेय दिया और विपक्षी दलों के उन सभी सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने विधेयक का विरोध करने के लिए एकजुट होकर काम किया। सीएम स्टालिन ने विधेयक की विफलता को देश को विभाजित करने के प्रयासों पर करारा प्रहार और विपक्षी दलों के बीच बढ़ती एकता का प्रदर्शन बताया। उन्होंने इस घटना को भाजपा की देशव्यापी विफलताओं की महज शुरुआत कहा। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा लाया गया संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल हुआ है। ये बस शुरुआत है। यह भाजपा की देशव्यापी विफलताओं की शुरुआत है। यह विपक्षी दलों की एकता की शुरुआत है। मैं लगातार कहता रहा हूं कि अगर हम एकजुट हो जाएं, तब जीत निश्चित है।

पीयूष गोयल का हमला, तमिलनाडु में स्टालिन के भ्रष्टाचार और परिवारवाद की हार होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सरकार पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाकर विश्वास जाहिर किया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 4 मई को अगली सरकार तमिलनाडु में बनाएगा। ऊटी दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि 4 मई को तमिलनाडु की जनता की सेवा के लिए नई सरकार बनेगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में रिश्वतखोरी व्यापक हुई है, अगर आज तमिलनाडु में युवा लड़के-लड़कियां सरकारी नौकरी चाहते हैं, तब उन्हें रिश्वत देनी पड़ती है। यह जनता को स्वीकार्य नहीं है, और वे कभी भी इसतहर के व्यक्ति को स्वीकार नहीं करने वाले हैं, जो तमिल संस्कृति विरोधी, तमिल महिलाओं विरोधी हो और रिश्वतखोरी को बढ़ावा देता हो। हम उदयनिधि स्टालिन को डीएमके के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में स्वीकार नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह एक-परिवार का शासन भ्रष्टाचार और कुप्रशासन से भरा है और इसका अंत होगा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (एआईएडीएमके), भाजपा, पीएमके, एएमएमके और अन्य सहयोगियों के नेतृत्व वाला एनडीए एक परिवार की तरह जनता की सेवा के लिए काम कर रहा है। चुनाव परिणाम को लेकर आश्वस्त केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि जीत निश्चित है। जीत हमारी होगी। लोग डीएमके के कुशासन और भ्रष्टाचार को नहीं भूलने वाले है।

बंगाल चुनाव में प्रचार करने उतरी असम बीजेपी की पूरी टीम... 50 सदस्यीय दल की कमान सीएम सरमा के पास

सीएम सरमा ने कूच बिहार, कालचीनी और फांसिदेवा विधानसभा में किया जोरदार प्रचार

कोलकाता (एजेंसी)। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले प्रचार करने के लिए असम राज्य भाजपा का 50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 16 अप्रैल को बंगाल पहुंचा। बंगाल में चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। असम प्रतिनिधिमंडल पश्चिम बंगाल के कई निर्वाचन क्षेत्रों में व्यापक प्रचार अभियान चलाने की योजना बना रहा है।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पश्चिम बंगाल पहुंच चुके हैं और एक ही दिन में कूच बिहार, कालचीनी और फांसिदेवा विधानसभा क्षेत्रों में तीन विशाल जनसभाओं को संबोधित करने वाले है। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, जयंता मल्लबारुआ, रणजीत कुमार दास, बिमल बोरा, डॉ. रानोज पेगू, रूपेश गोवाला, कृपानाथ मल्लाह, राजदीप रॉय, कृष्णेंदु पॉल, कौशिक राय, सांसद परिमल सुकलाबैद्य, कई विधायक और राज्य के वरिष्ठ नेता सहित कई प्रमुख नेता चुनाव प्रचार का नेतृत्व करने के लिए विभिन्न निर्वाचन

क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों के व्यापक संदर्भ में बंगाल चुनाव भाजपा के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इतना ही नहीं कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया आउटलेट्स ने असम में एनडीए की जीत और पश्चिम बंगाल में भाजपा के बढ़ते समर्थन का संकेत दिया है। पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने बताया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक लोकसभा में 207 मतों से पारित हो चुका है। राज्य भाजपा अध्यक्ष और दरांग-उदलगुरी से सांसद दिलीप सैकिया ने केंद्र सरकार के संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए संवैधानिक रूप से एक तिहाई (33प्रतिशत) आरक्षण सुनिश्चित करने के निर्णय का समर्थन करते हुए इस महिलाओं को सशक्त बनाने और नारी शक्ति के उद्देश्य को आगे बढ़ाने वाला कदम बताया।

हज यात्रा का आगाज़, 371 यात्रियों को लेकर पहला विमान दिल्ली से सऊदी रवाना

-इस्लाम का अहम फर्ज है हज, इस यात्रा का हर मुस्लिम के जीवन में विशेष महत्व

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हज 2026 की पवित्र यात्रा का आगाज़ हो गया है। शनिवार को 371 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दिल्ली से मक्का के लिए रवाना हुआ। इस मौके पर श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिला। ये सभी यात्री इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से सऊदी अरब के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। तीर्थयात्रियों को हज यात्रा से जुड़ी आवश्यक जानकारी और दिशा-निर्देश पहले ही उपलब्ध करा दिए गए थे, ताकि उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित हो सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। उन्होंने यात्रियों को

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हज इस्लाम का एक अहम फर्ज है और यह यात्रा हर मुस्लिम के जीवन में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने सभी यात्रियों की सुरक्षित और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। हज यात्रा के लिए हर साल देशभर से हजारों श्रद्धालु सऊदी अरब जाते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में भारतीय तीर्थयात्रियों के जाने की उम्मीद है। प्रशासन की ओर से यात्रियों के लिए बेहतर प्रबंधन और सुविधाएं तय की गई हैं, जिसमें आवास, स्वास्थ्य सेवाएं और यात्रा से संबंधित अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं।

हज यात्रा को लेकर सरकार और संबंधित एजेंसियां लगातार तैयारियों में जुटी रहीं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पहले जत्थे के रवाना होने के साथ ही आने वाले दिनों में अन्य जत्थों के भी भेजा जाएगा। इस पवित्र यात्रा के साथ न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक जुड़ा है, बल्कि यह विभिन्न संस्कृतियों और देशों के लोगों को एक साथ जोड़ने का भी माध्यम बनती है।

शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजना है या नहीं, भारत ने शुरु कर दी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान की भारत यात्रा के दौरान इस संवेदनशील मुद्दे को आधिकारिक तौर पर उठाया गया, जिस पर भारत सरकार ने अब अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में जानकारी दी कि बांग्लादेश की ओर से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए प्राप्त अनुरोध की वर्तमान में समीक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मामला फिलहाल न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं के दायरे में है, इसलिए भारत ने इस संबंध में अभी तक कोई निश्चित समयसीमा या ठोस प्रतिबद्धता जाहिर नहीं की है।

दूसरी ओर, मॉरीशस के पोर्ट लुई में आयोजित 9वें हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान भी यह मुद्दा छाया रहा। वहां बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने दोहराया कि ढाका अपनी मांग पर अडिग है और बीएनपी के नेतृत्व वाली नई सरकार इस प्रक्रिया को तार्किक अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार ने शेख हसीना पर 5 अगस्त 2024 को देश छोड़ने से पहले हुए कथित अपराधों को लेकर प्रत्यर्पण की मांग की है। बांग्लादेश की नई सत्ता के लिए यह एक बड़ा घरेलू राजनीतिक मुद्दा बन चुका है, जिसके कारण वे लगातार भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान खलीलुर रहमान ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इन वार्ताओं के केंद्र में न केवल प्रत्यर्पण का मुद्दा रहा, बल्कि बांग्लादेश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री तारिक रहमान की संभावित भारत यात्रा पर भी गहन चर्चा की गई। भारत ने इस दौरान यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह क्षेत्रीय स्थिरता और बांग्लादेश की जनता के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गौरतलब है कि शेख हसीना लंबे समय तक भारत की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक रही हैं। पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शनों और तख्तापलट की स्थिति के बाद वे सुरक्षित भारत आ गई थीं और तब से यहीं प्रवास कर रही हैं। भारत के लिए यह स्थिति काफी जटिल है, क्योंकि एक तरफ वर्षों पुराना मैत्रीपूर्ण संबंध है और दूसरी तरफ पड़ोसी देश की नई सरकार के साथ कूटनीतिक तालमेल बैठाने की चुनौती। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कानूनी और कूटनीतिक खींचतान आने वाले दिनों में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

पूजा शकुन पांडेय की तलाश जारी

कौमी पत्रिका

अलीगढ़। बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता की हत्या में पुलिस ने शूटर मोहम्मद फजल पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी गोंडा रोड नीवरी अलीगढ़ को पुराने मथुरा बाईपास पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को शातिर के पास से हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस व हत्या में ली गई रकम में से बचे 7200 रुपये बरामद किए हैं। मामले में आरोपी अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आरोपी तक तक पहुंचने के लिए लगातार सीसीटीवी कैमरे से सुराग तलाशे जा रहे हैं। अलीगढ़ एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में दो शूटरों में से एक शूटर मोहम्मद फजल गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे साथी आसिफ की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पकड़े गए नीवरी निवासी शूटर मोहम्मद फजल ने पूछताछ में बताया कि मोहम्मद फजल अशोक पांडेय को 7-8 साल से जानता है। लगभग एक डेढ़ माह पहले अशोक पांडेय के घर वैल्डिंग का काम चल रहा था। तब अशोक पांडेय ने मोहम्मद फजल से एक लड़के की हत्या के लिए कहा। मोहम्मद फजल ने नीवरी मोड़ निवासी आसिफ पुत्र नाजिर से बात कराई। उसके बाद मोहम्मद फजल, आसिफ की अशोक पांडेय व पूजा शकुन पांडेय के साथ घर पर मीटिंग हुई। वहां पूजा शकुन पांडेय ने अभिषेक गुप्ता का फोटो दिखया कि इसकी हत्या होनी है। हत्या के लिए तीन लाख रुपये तय हुए। एक लाख एडवांस दिए गए। खैर में मृतक के टीवीएस शोरूम पर रैकी की। फजल और आसिफ बाइक पर सवार होकर अभिषेक के पीछे लग गए। खेरेश्वर चौराहे पर अभिषेक गुप्ता, उसके पिता, चचेरे भाई बस से उतर कर पैदल सिकंदराराऊ की ओर जाने वाली बस में चढ़ रहे थी, तभी गोली चलाकर दोनों फरार हो गए। जांच में सामने आया है कि अगस्त व सितंबर में अभियुक्त की अशोक पांडेय से 27 बार और पूजा शकुन पांडेय से 11 बार कॉल पर बात हुई। एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि शूटर के दूसरे साथी आसिफ और पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। जल्दी ही दोनों गिरफ्तार किए जाएंगे। पकड़े गए मोहम्मद फजल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की हत्या 26 सितंबर देर शाम खेरेश्वर चौराहा पर बाइक सवार शूटरों ने कर दी थी। इसमें परिजनों ने अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय, उनके पति राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय व दो अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अशोक पांडेय को 28 सितंबर को जेल भेज दिया था।

मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े उलझे, रिपोर्ट नहीं दे रही एमसीडी

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की स्थिति पर विवाद गहराता जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले रिकॉर्ड स्तर पर हैं लेकिन डेंगू के मामलों में एमसीडी ने असामान्य गिरावट दिखाई है। इसी विरोधाभास ने अब एमसीडी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के सवालों के बाद एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना ही बंद कर दिया है। एमसीडी की ओर से जारी अंतिम साप्ताहिक रिपोर्ट (4 अक्तूबर) के अनुसार, दिल्ली में अब तक मलेरिया के 431 और चिकनगुनिया के 76 मामले दर्ज किए गए जो पांच वर्षों में सर्वाधिक हैं। डेंगू के केवल 840 मामले दर्ज दिखाए गए हैं जबकि 2024 में इसी अवधि तक यह संख्या 1,630 और 2023 में 2,701 थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मलेरिया के मामले 2024 से भी अधिक हैं लेकिन डेंगू में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह रुझान एडीज मच्छर के व्यवहार के विपरीत है क्योंकि यही मच्छर डेंगू और चिकनगुनिया दोनों फैलाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो उन्हीं मच्छरों से फैलने वाला डेंगू अचानक आधा कैसे हो गया। क्या यह डेटा संग्रह में तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर मामले दर्ज ही नहीं किए जा रहे। सात अक्तूबर के बाद से एमसीडी की कोई नई साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। परंपरा के मुताबिक हर सोमवार को एमसीडी मच्छर जनित रोगों की स्थिति रिपोर्ट जारी करती थी जो मीडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए प्रमुख स्रोत मानी जाती थी। अब रिपोर्ट जारी न होने से डेटा की पारदर्शिता पर और प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि जैसे ही मीडिया और विपक्ष ने आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया। आप के वरिष्ठ पार्षद व नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि जब अस्पतालों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और मीडिया ने आंकड़ों पर सवाल उठाए तब एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया। पार्टी का कहना है कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। मलेरिया-चिकनगुनिया रिकॉर्ड स्तर पर है लेकिन डेंगू गायब क्यों। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि अब मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े नहीं छुपाने देगी। उन्हें रिपोर्ट जारी नहीं करने के बारे में बृहस्पतिवार को ही मालूम हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित तौर पर रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

युवक और उसके ममेरे भाई की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला के शास्त्री पार्क इलाके में बृहस्पतिवार देर रात एक युवक और उसके ममेरे भाई की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों की शिनाख्त 25 साल के उमाम उर्फ उभम और 27 साल के नदीम के रूप में हुई है। दोनों इलाके में अचेत अवस्था में पड़े थे। पुलिस ने दोनों को पास के अस्पताल में लेकर गई जहां उमाम को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि नदीम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस रंजिश की आशंका जता रही थी। फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने रुपये के लेन-देन के विवाद में उन्हें गोली मारी थी। जानकारी के मुताबिक उमाम अपने परिवार के कैलाश नगर में रहता था। वहीं नदीम उसके मामा का बेटा था। नदीम अपने परिवार के साथ रहता था। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात सर्विस रोड पर एक युवक के अचेत पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस ने देखा कि युवक के पेट से खून निकल रहा है। पुलिस उसे लेकर जगप्रवेश अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर ही रही थी कि पुलिस को फल मंडी इलाके में एक अन्य युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस उसे लेकर अस्पताल ले गई, जहां से डॉक्टरों ने उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी पहचान कैलाश नगर निवासी नदीम के रूप में हुई। जांच में पता चला कि दोनों युवक आपस में रिश्तेदार हैं। नदीम उमाम का ममेरा भाई है।

फरीदाबाद के ध्यानार्थ इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने के नाम ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो जालसाजों फरीदाबाद के सेक्टर-55 स्थित गोची निवासी आजाद खान और जीवन नगर निवासी अजय के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। छानबीन में पुलिस को पता चला है कि आरोपी फेसबुक पर नौकरी लगवाने का फर्जी प्रचार करते थे। बेरोजगार युवक-युवतियां जब इनको कॉल करते थे तो आरोपी फॉर्म, यूनिफॉर्म समेत अन्य चार्ज के नाम पर मोटी रकम वसूल लेते थे। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया, रोहित यादव एनसीआरपी पार्टल पर 24100 रुपये की ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उसने फेसबुक पर इंडिगो एयरलाइंस पर जॉब का एक विज्ञापन देखा था। उसमें एक नंबर दिया गया था। पीड़ित ने उस नंबर पर कॉल किया। उस समय फोन नहीं उठा, लेकिन बाद में एक अन्य नंबर से कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम रोहित शर्मा बताकर नौकरी दिलवाने की बात की। बाद में आरोपी ने फॉर्म की फीस, यूनिफॉर्म व अन्य खर्चों के नाम पर पीड़ित से 24100 रुपये वसूल लिए। बाद में आरोपियों ने अपने नंबर बंद कर लिए। जिसमें रकम ट्रांसफर हुई थी उसकी पड़ताल की गई। इसके अलावा मोबाइल नंबर की डिटेल भी ली गई, जिससे कॉल आया था। बाद में पुलिस ने दोनों आरोपियों को फरीदाबाद से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया। बैंक खाता आजाद खान व मोबाइल अजय के नाम पर रजिस्टर्ड था।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की।

27 वर्षों के संघर्ष के बाद दिल्ली में भाजपा सरकार बनना कार्यकर्ताओं की तपस्या का फल है: मुख्यमंत्री रेखा

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनसुविधाओं के क्षेत्रों में सरकार ने केवल 10 महीनों में तेज गति से कार्य किया है, ताकि 27 वर्षों से लंबित अधूरे विकास कार्यों को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो के विस्तार के लिए बजट बढ़ाया गया है, सार्वजनिक परिवहन को पूर्णतः इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, डीटीसी को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधूरे अस्पतालों की पुनः समीक्षा कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही पेंशन और राशन कार्ड व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित कर नए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संगठनात्मक कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सच्ची संगठन सेवा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि दिल्ली के विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और समर्पण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है और भाजपा परिवार उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

सड़कों के किनारे लगेंगे क्यूआर कोड वाले साइनबोर्ड, पीडब्ल्यूडी ने नए दिशा निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर लगने वाले साइन बोर्ड की स्थिति अब बदलने वाली है। लोक निर्माण विभाग

(पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए नए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। जिसमें सभी नए रोड साइन बोर्डों में क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इससे बोर्डों की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित होगी। हर रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड के नीचे दाएं कोने में क्यूआर कोड लगा होगा। इसे स्कैन करने पर निर्माता कंपनी का नाम, निर्माण की तारीख, इस्तेमाल की गई रिफ्लेक्टिव शीटिंग का कोड और वारंटी समेत कई जानकारियां मिल जाएंगी। अगर कोई खराबी आई तो कंपनी मुफ्त में बोर्ड बदलेगी। अब सभी नए टेंडरों में इन मानकों को शामिल करना अनिवार्य होगा। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है कि रिफ्लेक्टिव शीटिंग की वारंटी अब 10 साल की होगी। इसका मतलब है कि साइन बोर्ड लगने के 10 साल तक अगर चमक कम होती है या कोई खराबी आती है, तो ठेकेदार या निर्माता को मुफ्त में बदलना पड़ेगा। विभाग ने गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया है। रिफ्लेक्टिव शीट अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप होगी। डिजिटल प्रिंटिंग के बाद भी रंगों की चमक कम से कम 70 फीसदी बनी रहनी चाहिए। सबसे खास बात यह है कि 10 साल की वारंटी अवधि में हर तिमाही रिफ्लेक्टोमीटर से चमक की जांच होगी। अगर चमक कम हुई तो ठेकेदार को तुरंत बदलाव करना पड़ेगा। इसके लिए ठेकेदारों पर सख्ती भी बढ़ाई गई है। गौरतलब है कि साल 2024 में सड़क परिवहन मंत्रालय के ऑडिट में पता चला था कि राजधानी में अलग-अलग एजेंसियों की वजह से साइन बोर्डों का आकार, रंग और डिजाइन एकसमान नहीं था। इससे ड्राइवरों को परेशानी होती थी और सुरक्षा जोखिम बढ़ता था। अब पीडब्ल्यूडी ने सभी टेंडरों में क्यूआर कोड की शर्त शामिल करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि अब इन क्यूआर कोड को पीडब्ल्यूडी सेवा मोबाइल ऐप से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में सिर्फ जानकारी मिलेगी। आने वाले दिनों में लोग इन कोड को स्कैन करके सड़क, गड्ढे, स्ट्रीट लाइट या साइन बोर्ड से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज कर सकेंगे। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा और त्वरित सहायता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हर 500 मीटर पर हेल्पलाइन साइनबोर्ड लगाए जा रहे हैं। सभी प्रमुख सड़क जोन में स्ट्रीट हेल्पलाइन साइनबोर्ड अनिवार्य किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तुरंत सहायता मिल सके।

गैंगस्टर पत्नी के हत्यारोपी ने मुजफ्फरनगर कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

गाजियाबाद। पत्नी की हत्या के आरोपी गैंगस्टर विकास अहलावत को नंदग्राम पुलिस पकड़ने में असफल साबित हुई। पुलिस की लापरवाही के चलते वर्ष 2011 में हुए एक सड़क हादसे के मामले में विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। उसकी पत्नी पर भी गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था। जिले की टीम उसके पैतृक गांव और ठिकानों का पता भी नहीं लगा सकी। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसायटी में पत्नी रूबी की हत्या करने वाले गैंगस्टर विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर एक वर्ष पूर्व ही हत्या के मामले में जेल से छूटा था। घरेलू कलह के चलते पत्नी रूबी की मंगलवार की सुबह साढ़े सात बजे गोली मारकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में हत्यारोपी सोसायटी से निकलता दिखा। इसके बाद वह संपर्क मार्गों से होता हुआ मोदीनगर पहुंचा। लोकेशन ट्रेस की गई तो मोदीनगर में एक रात रुकने के बाद उसकी लोकेशन मुजफ्फरनगर में मिली थी। इसके बाद उसने मोबाइल फेंक दिया था। बृहस्पतिवार को सूचना मिली कि उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर का सही पता भी मालूम नहीं कर पाई पुलिस - गैंगस्टर विकास अहलावत के खिलाफ हत्या, साजिश रचने और जानलेवा हमले सहित अन्य गंभीर धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। सभी मामलों में विकास अहलावत को मोदीनगर के तिबड़ा गांव निवासी दर्शाया गया है, जबकि तिबड़ा में उसकी ससुराल है और मृतक रूबी उसी गांव की रहने वाली है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी फिरोज, पुत्रः** इस्लामुद्दीन, **पताः** कंचन पार्क, रानी का तालाब, भारुनुप गांव, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश **FIR No. 62/2022, U/s: 457/380/411/34 IPC, पुलिस थानाः फतेहपुर बेरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फिरोज,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **फिरोज,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **फिरोज, FIR No. 62/2022, U/s: 457/380/411/34 IPC, पुलिस थानाः फतेहपुर बेरी, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
आशीष कुमार मीना
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 214
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/4991/SD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आंचला मलिक पुत्री** ईश्वर सिंह **निवासी** मकान नं0 एल-478, सेक्टर-23, संजय नगर, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 58/2016, U/S 384/388/389/506/511 IPC, पुलिस स्टेशन रानी बाग, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आंचला मलिक** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आंचला मलिक** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 58/2016, U/S 384/388/389/506/511 IPC, पुलिस स्टेशन रानी बाग, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **आंचला मलिक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.06.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विवेक बेनिवाल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
उत्तर-पश्चिम जिला, कोर्ट नं0 101,
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5092/NW/2026
(Court Matter)

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुझे जान से मारने की धमकियां मिली, अभी भी खतराः मासूम शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। विवादों में घिरे हरियाणवी गायक मासूम शर्मा ने देहरादून में एक कार्यक्रम के दौरान आपत्तिजनक बोल पर छिड़े विवाद में फिर माफी मांगी है। साथ ही सफाई दी कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद से वह मानसिक तनाव में हैं। चंडीगढ़ में अपनी नई फिल्म की प्रमोशन के लिए पहुंचे मासूम शर्मा ने कई मुद्दों पर बात की वहीं वह मीडिया के साथ भी उलझ गए। उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा, निर्देशक और लेखक रणजीत चौहान, महिला कलाकार निशा शर्मा भी रहीं। पत्रकारों ने उनसे जुड़े विवादों पर सवाल पूछे तो वह भड़क गए। अमर्यादित भाषा पर घिरे मासूम ने हालांकि यह कहते हुए स्थिति को संभाला कि मैं अभी भी मानसिक दबाव में हूं, जिसकी वजह से ये हुआ है।उन्होंने बताया कि मुझे फोन पर धमकी दी गई थी कि अपना और परिवार को 20-25 करोड़ रुपये का बीमा करा लो। साथ ही अमेरिका में चचेरे भाई को फोन पर धमकाया कि अपनी भारत वापसी के लिए टिकट कटा लो। धमकी देने वाला व्यक्ति मेरा जानकार है, लेकिन उसका नाम लेकर उसे स्टार नहीं बनाना चाहता। वह सरकार के मंच पर नजर आता रहा है और कई मौकों पर भाजपा का पटका डाले दिखता है। देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में भी मुझे वे लोग दिखाई दिए तो मैं तनाव में आ गया, जिसके बाद सारा विवाद हुआ। देवभूमि के लोगों को अगर अभी भी कोई गिला है, तो मैं फिर माफी मांगता हूं।

जनगणना से विकास योजनाओं को मिलेगी सही दिशा और गतिः बडौली

सोनीपत। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मकानों की सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया के तहत अपने सोनीपत स्थित आवास से स्व-जनगणना की शुरुआत की। स्वयं प्रक्रिया में भाग लेते हुए उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि हर नागरिक की भागीदारी से ही यह अभियानसफल बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था समय बचाने के साथ पारदर्शिता और सटीकता बढ़ाने में मदद करेगी। मोहन लाल बड़ौली ने बताया कि राज्य में जनगणना का पहला चरण एक मई से 30 मई 2026 तक चलेगा। इस दौरान मकानों की गणना और सूचीकरण किया जाएगा। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिकों को स्व-जनगणना की सुविधा दी गई है। लोग घर बैठे मोबाइल फोन, टैबलेट या कंप्यूटर के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था आधुनिक और सरल है, जिससे अधिक से अधिक लोग आसानी से भाग ले सकेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि स्व-जनगणना से आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित होगी। सही जानकारी मिलने से भविष्य की योजनाएं बेहतर ढंग से बनाई जा सकेंगी। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे पूरी और सही जानकारी दें ताकि सरकार तक वास्तविक स्थिति पहुंच सके। उनके अनुसार यह पहल जीवन सुगमता और तकनीकी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से जानकारी एकत्र होने से पारदर्शिता बढ़ेगी और योजनाओं का लाभार्थी नागरिक तक पहुंचाना आसान होगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को मजबूत आधार मिलेगा।

ग्रुप-सी अभ्यर्थियों को राहत, जल्द जारी होगा बायोमेट्रिक शेड्यूल

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप-सी के उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है, जिनकी बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी। आयोग जल्द ही बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन का शेड्यूल जारी करेगा। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर जानकारी पर साझा की कि जिन अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन नहीं हुई है, ऐसे सभी अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक प्रक्रिया पीएमटीसाइट के गेट नंबर 3 पर आयोजित की जाएगी। आयोग जल्द ही इसकी तिथि और समय से संबंधित विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा, जिससे प्रभावित उम्मीदवारों को अपनी प्रक्रिया पूरी करने का अवसर मिल सके। आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे किसी भी अपडेट के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें, ताकि उन्हें शेड्यूल से जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण सूचना समय पर मिल सके। आयोग का यह फैसला उन उम्मीदवारों के लिए बड़ा राहत भरा है, जिनकी तकनीकी या अन्य कारणों से बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। आयोग की इस पहल से परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

व्यापारियों को दुर्घटना व नुकसान पर मिलेगा मुआवजा

चंडीगढ़। नायब सरकार ने व्यापारियों और उद्योग जगत को बड़ी राहत देते हुए 'मुख्यमंत्री व्यापारी सामूहिक निजी दुर्घटना योजना' और 'मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति योजना' के तहत पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 31 मई कर दी है। इस निर्णय से हजारों व्यापारियों को योजनाओं का लाभ उठाने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। सरकार की इन योजनाओं का उद्देश्य व्यापारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। सामूहिक निजी दुर्घटना योजना के तहत किसी व्यापारी की दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता होने पर 5 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। खास बात यह है कि इस योजना में पंजीकरण के लिए मात्र 50 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जिससे छोटे व्यापारियों को भी आसानी से जोड़ा जा सके।

संत कबीर जी के विचार आज भी मानवता को सही दिशा दिखाने वाले : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि कबीर दास जी के विचार और शिक्षाएं आज के दौर में भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि कबीर जी ने 15वीं शताब्दी में समाज में व्याप्त धार्मिक कट्टरता, पाखंड और भेदभाव के विरुद्ध जो क्रांतिकारी आवाज उठाई थी, वह आज भी समाज को एकता, समरसता और विश्व बंधुत्व का मार्ग दिखाती है। मुख्यमंत्री पंजाब के मोहाली में संत कबीर जी के जीवन एवं शिक्षाओं पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां संतों की वाणी गूंजती है, वह स्थान केवल सेमिनार नहीं बल्कि सत्संग का रूप ले लेता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और अध्यात्म के माध्यम से शांति का अनुभव होता है। सैनी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब विश्व विभिन्न प्रकार के तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, ऐसे समय में संत कबीर जी का दर्शन और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उनके विचार मानव समाज के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह हैं, जो शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैं। उन्होंने संत कबीर जी को सच्चा मानवतावादी बताते हुए कहा कि उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और हर प्रकार के भेदभाव का दृढ़ता से विरोध किया। उनकी वाणी की सरलता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति थी, जो सीधे जन-मानस में उतर जाती थी और आज भी पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को प्रेरित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' संचालित कर रही है। राज्य सरकार संत कबीर जी के समानता और समरसता के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बुजुर्गों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। हाल ही में अंबाला से अयोध्या के लिए विशेष ट्रेन को रवाना किया गया है और आगे भी अन्य तीर्थ स्थलों के लिए यात्राएं आयोजित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, 'स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना' के तहत सिख धर्म से जुड़े प्रमुख तीर्थ स्थलों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

अब तहसीलों के नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर, 48 घंटे में होगा समस्याओं का निवारण

एजेंसी

चंडीगढ़। अब राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए तहसीलों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। महज 48 घंटे में शिकायत का समाधान होगा। सरकार की ओर से सिटीजन हेल्पडेस्क लांच किया है, जिस तहसीलों में टोकन के अनुमोदन में देरी और ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली में तकनीकी खामियां का निवारण होगा।राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि इस पहल के तहत अब पंजीकरण, टोकन देरी, तकनीकी खामियों, भ्रष्टाचार या उत्पीडऩ से जुड़ी शिकायतों का समाधान 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा।यह सिंगल-विंडो प्रणाली नागरिकों को बिना दफ्तरों के चक्कर लगाए त्वरित राहत देने और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। उन्होंने बताया कि नागरिक हेल्पडेस्क एक सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा, जहां हरियाणा के निवासी तहसीलों में टोकन के अनुमोदन में देरी, ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली में तकनीकी खामियां, पेपरलेस पंजीकरण से जुड़ी समस्याएं, भ्रष्टाचार, अधिकारियों द्वारा उत्पीडऩ या सरकारी सेवाओं, विशेषकर संपत्ति पंजीकरण से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता के बारे में शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। डॉ. मिश्रा ने बताया कि नागरिक दो माध्यमों से हेल्प डेस्क से संपर्क कर सकते हैं-निर्धारित लैंडलाइन नंबर 0172-271-1693 पर कॉल करके या आधिकारिक ईमेल 'हेल्पडेस्क-आरईवी एट एचआरवाई डॉट जीओवी डॉट इन' पर लिखकर। यह हेल्पडेस्क सोमवार से शुक्रवार तक सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक संचालित रहेगा। शिकायत दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक ऑटो-जनरेटेड यूनिक शिकायत नंबर भेजा जाएगा।

जनगणना में नहीं आएगी बाधाः सरकार ने तबादलों पर लगाया रोक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने जनगणना-2027 के कार्य को सुचारू संचालन के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर ब्रेक लगा दी है। यह आदेश 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना-2027 के कार्य में लगाया गया है या जो सीधे संबंधित प्रशासनिक नियंत्रण में आते हैं, उनके स्थानांतरण पर 31 मार्च, 2027 तक रोक लागू रहेगी। यह आदेश आईएएस/एचसीएस अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, जिला राजस्व अधिकारियों, शिक्षा विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होगा। राज्य सरकार ने इन आदेशों की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंचाने और इनका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि जनगणना कार्य के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों की नियुक्ति गई है। इसके तहत मंडल आयुक्तों को मंडल जनगणना अधिकारी, उपायुक्तों को प्रधान जनगणना अधिकारी तथा अतिरिक्त उपायुक्तों और सिटी मजिस्ट्रेटों को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तर पर जिला सांख्यिकी अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, जिला राजस्व अधिकारी तथा जिला सूचना अधिकारी को उप जिला जनगणना अधिकारी बनाया गया है।

कांग्रेस अब पार्टी नहीं, टुकड़ों में बँटा कुनबा है; हुड्डा के नेतृत्व पर लगा कभी न मिटने वाला दाग' : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने टीएमसी से निलंबित विधायक व आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर पर बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के संबंध पर बयानी हमला करते हुए कहा कि 'अगर यह (हुमायूं कबीर) अपने बाप के नाम का मस्जिद बनाएंगे तो कोई विरोध नहीं करेगा '। विज मीडिया कर्मियो द्वारा पूछे गए सवाल, कि हुमायूं कबीर के बयान कि बंगाल में बाबरी मस्जिद बनने से कोई नहीं रोक सकता, के जबाव में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर उन्होंने (हुमायूं कबीर) ने मस्जिद बनानी है तो अपने बाप के नाम पर बनाएं उन्हें कौन मना कर रहा है लेकिन जिन लोगों ने हम पर हमले किए, हमारी संस्कृति को तहस-नहस किया, बाहर से आकर हम पर अत्याचार किए, हम पर जुल्म किये,

उनके नाम का महिमामंडन क्यों करते हो। विज ने कहा कि अगर यह अपने बाप के नाम का मस्जिद बनाएंगे तो कोई विरोध नहीं करेगा। हरियाणा कांग्रेस द्वारा क्रॉस वोटिंग करने वाले अपने पांच विधायकों को सस्पेंड करने तथा इन विधायकों के भाजपा में शामिल होने के प्रश्न पर प्रतिक्रिया देते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह विधायक कानूनी रूप से भाजपा में तो नहीं आ सकते लेकिन कांग्रेस ने उन्हें निकाल दिया है और भी दो चार विधायक अभी मुहाने पर थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऊपर से नीचे तक टुकड़ों में बंट चुकी है, लिहाजा अब ये पार्टी ही नहीं रह गई। मंत्री अनिल विज ने कहा कि हुड्डा साहब एक साल की लंबी लड़ाई के बाद लीडर बने थे और यह हुड्डा साहब की लीडरशिप पर एक बहुत गहरा दाग है जिसे वह कभी धो नहीं सकेंगे। लोकसभा में प्रियंका गांधी ने परिसीमन का विरोध करते हुए पीएम मोदी पर तंज कसा था जिस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का बिल चल रहा है, देश में डेमोक्रेसी है और जो लोग इस बिल के पक्ष में है वह एक से एक बढ़िया बात रखकर अपना पक्ष रख रहे हैं, और जो विपक्ष में है वह भी अपनी बातों को अपने तरीके से कह रहे हैं, लेकिन कोई भी आदमी समाचार पत्र या चैनल देखकर इस बात का अंदाजा लगा सकता है कि कौन-कौन सी पार्टियां हक में है और कौन-कौन सी इसके विरोध में। अभय चौटाला द्वारा हरियाणा की मंडियों के दौरे को लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अभय चौटाला आजकल खाली है और विपक्ष में भी है, इसलिए वह अपने समय का सदुपयोग कर रहे हैं व मंडियों में जाकर कमियां देख रहे हैं और अगर कोई कमी मिलती है तो वह सरकार को बताते हैं और सरकार उनकी बात पर गौर भी करती है।

इस बार मानसून के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होः विपुल गोयल

एजेसी

गुरुग्राम। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने गुरुग्राम स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर के अधिकारियों के साथ मानसून तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस बार मानसून के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निकाय मंत्री ने कहा कि सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने विशेष रूप से सीवरेज और ड्रेनेज सिस्टम की सफाई व मरम्मत कार्य मानसून से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पर्याप्त संख्या में पंप, मशीनरी और अन्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जनहानि नहीं होनी चाहिए। मंत्री विपुल गोयल ने सभी

अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्ट्रे कैटल फ्री अभियान को प्रभावी रूप से चलाने तथा फरीदाबाद रोड को मलबा मुक्त करने के निर्देश भी दिए। बैठक में गुरुग्राम, फरीदाबाद और मानेसर नगर निगमों द्वारा मानसून को लेकर की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जलभराव संभावित स्थानों की पहचान, ड्रेनों की सफाई, स्टॉर्म वाटर पाइपलाइन की स्थिति, सीवरेज व्यवस्था और रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम में कुल 159 जलभराव संभावित स्थान चिन्हित किए गए हैं। इनमें चार अत्यधिक गंभीर, 39 गंभीर, 56 मध्यम और 60 मामूली श्रेणी के स्थान शामिल हैं। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ड्रेनों की सफाई और मरम्मत कार्य तेज गति से जारी है। कुल 607 किमी ड्रेन में से 408.59 किमी की सफाई पूरी हो चुकी है तथा शेष कार्य 31 मई 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ड्रेन से संबंधित 97 कार्यों में से 72 पूरे हो गए हैं तथा शेष प्रगति पर हैं। मानसून के दौरान जलभराव से निपटने के लिए 109 पंप और 63 सक्शन टैंकर की व्यवस्था की जा रही है। गुरुग्राम में कुल 468 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं में से 309 कार्यशील हैं, जबकि 159 को दुरुस्त किया जा रहा है। इनकी मरम्मत और सफाई से जलभराव की समस्या कम करने और भूजल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

राज्य चुनाव आयोग ने की जनरल, पुलिस व व्यय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने आगामी 10 मई को निर्धारित स्थानीय निकाय चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने तथा आदर्श आचार संहिता के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने के लिए जनरल, पुलिस एवं व्यय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की घोषणा की है। आयोग द्वारा वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस एवं एचसीएस अधिकारियों को डिम्ड डिपुटेशन पर नियुक्त करते हुए उन्हें अंबाला, पंचकूला, सोनीपत सहित अन्य संबंधित जिलों में चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की निगरानी हेतु तैनात किया गया है।

इन पर्यवेक्षकों को चुनाव प्रबंधन के सभी पहलुओं पर नजर रखने के लिए तीन प्रमुख श्रेणियों में दायित्व सौंपे गए हैं। जनरल पर्यवेक्षक, जो वरिष्ठ आईएएस/एचसीएस अधिकारी हैं, आयोग के प्रतिनिधि के रूप में जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए ईवीएम एवं मतदान कर्मियों के रैंडमाइजेशन, नामांकन प्रक्रिया तथा नामांकन पत्रों की जांच, मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों की सीधे आयोग को रिपोर्ट करेंगे। पुलिस पर्यवेक्षक, जो वरिष्ठ आईपीएस/एचपीएस अधिकारी हैं, कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी करते हुए मतदान केंद्रों की संवेदनशीलता का आकलन, पुलिस बल एवं होमगार्ड की तैनाती की समीक्षा, शराब निषेध एवं हथियार प्रतिबंध के आदेशों का कड़ाई से पालन तथा रैली एवं लाउडस्पीकर की अनुमति के लिए सिंगल विंडो प्रणाली की निगरानी सुनिश्चित करेंगे। वहीं, व्यय पर्यवेक्षक, जो डीईटीसी अधिकारी हैं, चुनाव में धनबल के प्रभाव को रोकने के लिए प्रत्याशियों के दैनिक व्यय रजिस्टर की निगरानी, स्थैतिक निगरानी टीम एवं फ्लाइंग स्क्वॉड के साथ समन्वय कर अवैध नकदी या उपहारों के आवागमन पर रोक तथा निर्धारित व्यय सीमा के अनुपालन को सुनिश्चित करेंगे।

सीएम घोषणाओं पर जल्द किया जाए काम शुरू : डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि विकास रैली के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए ताकि आमजन को जल्द से जल्द सुविधाओं का लाभ मिल सके। हमारा लक्ष्य जींद को प्रदेश के अग्रणी जिलों की पंक्ति में खड़ा करना है।इसके लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्र दोनों में संतुलित विकास कार्य करवाए जाएंगे।

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा सीएम घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ले रहे थे। डा. मिड्ढा ने अधिकारियों को कहा कि जींद शहर के पालिका बाजार को स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित किया जाएगा।

इसके लिए संबंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ तालमेल कर इस महत्वपूर्ण कार्ययोजना को जल्द पूरा करवाएं। उन्होंने शहर की सड़कों को दुरूस्त करने, बाईपास और शहर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने तथा मेडिकल कॉलेज में पेयजल, सड़क, सीवरेज और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन भी ठेकेदारों द्वारा

करवाए जा रहे निर्माण कार्य बंद पड़े हैं, ऐसे संबंधित सभी ठेकेदारों को नोटिस जारी किए जाएं। डिप्टी स्पीकर ने वेगी योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाने, शहर के पार्कों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा देवीलाल चौक के पास रेलवे भूमि के सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्यों का जल्द ही निरीक्षण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर बल देते हुए उन्होंने श्रीरागखेड़ा गांव को मॉडल विलेज के रूप में विकसित करने, हैबतपुर गांव को जगमग योजना से जोडऩे और रूपगढ़ गांव में जलघर निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जींद-भिवानी रोड पर बने अंडरब्रिज को आवश्यक कार्य पूरे कर जल्द शुरू करने को कहा। डिप्टी स्पीकर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सब्जी मंडी के फर्श उठान कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए।

जीरो टोलरेंस नीति के तहत पुलिस ने ढहाए अवैध कब्जे

एजेंसी

गुरुग्राम। जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए पुलिस ने भूमि माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने जेमडी एम्पायर बिल्डिंग पर किए गए अवैध कब्जों की पहचान कर उन्हें पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई अपराध शाखा सेक्टर-43 गुरुग्राम द्वारा कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई। पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण को गिराकर जमीन को पूरी तरह कब्जा मुक्त कराया गया।

पुलिस द्वारा जांच के दौरान पुलिस ने इस अवैध नेटवर्क से जुड़े दो मुख्य आरोपियों की पहचान की है। इनमें श्रीकुल शेख निवासी जिला नादिया (पश्चिम बंगाल) और मोन्टू मिया निवासी जिला अलीपुर (पश्चिम बंगाल) शामिल हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ अवैध मादक पदार्थों से जुड़े मामलों सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि ये आरोपी लंबे समय से अवैध गतिविधियों में लिप्त थे। ये लोग शहर में अवैध रूप से झुग्गी-बस्तियां बसाते थे और वहां रहने वाले गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को परेशान करते थे। इसके साथ ही, वे लोगों से अवैध वसूली भी करते थे, जिससे आम नागरिकों का जीवन प्रभावित हो रहा

था। गुरुग्राम पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अवैध कब्जों और अपराधों के खिलाफ आगे भी सख्ती जारी रहेगी। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा में महिलाओं ने दिखाया उत्साह

एजेंसी

गुरुग्राम। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में जिले में महिलाओं द्वारा नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा निकाली गई। यह यात्रा राजकीय कन्या महाविद्यालय सेक्टर-14 के पास से शुरू होकर अग्रसेन चौक तक निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के समर्थन में संदेश देना रहा। सफेद टी-शर्ट और कैप पहने महिलाओं ने हाथों में तख्तियां, पोस्टर और बैनर लेकर नारे लगाते हुए अपनी भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान संयोजक गार्गी कक्कड़ (प्रदेश सचिव, भाजपा एवं पूर्व चेयरपर्सन, खादी एवं ग्रामोद्योग) की अगुवाई में पूरे आयोजन का संचालन किया गया। उनके नेतृत्व में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अभियान को सफल बनाया। इस अवसर पर मेंबर केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड एवं पूर्व सांसद सुधा यादव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़ेगी और वे देश के विकास में और

अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय ऐतिहासिक है, जो महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में भागीदारी का अवसर देगा। इससे महिलाएं राजनीति में आगे बढक़र समाज और देश के विकास में अपनी भूमिका निभा सकेंगी। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, जिला सचिव निधि मल्होत्रा, जिला सचिव सुचिता शर्मा, जिला महामंत्री महिला पूजा बलहारा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।नारी शक्ति वंदन संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित हस्ताक्षर अभियान में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए इसे महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। महिलाओं ने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण से उन्हें राजनीति में अपनी भागीदारी बढ़ाने का अवसर मिलेगा और वे समाज के विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।

हरियाणा सिविल सेवा के लिए 93 हजार अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने 26 अप्रैल को होने वाली हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) एवं संबद्ध सेवाएं प्रारंभिक परीक्षा-2025 के लिए प्रशासनिक एवं लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।यह परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला सत्र सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक (सामान्य अध्ययन) तथा दूसरा सत्र दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक (सीसैट) होगा। इस परीक्षा के लिए कुल 93,696 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं, जो राज्य के 8 जिलों में बनाए गए 337 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्र अंबाला (31 केंद्र), फरीदाबाद (80 केंद्र), गुरुग्राम (56 केंद्र), करनाल (48 केंद्र), कुरुक्षेत्र (37 केंद्र), पानीपत (19 केंद्र), यमुनानगर (23 केंद्र) और पंचकूला (43 केंद्र) में बनाए गए हैं। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने सभी आठ जिलों के उपायुक्तों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात करने तथा स्ट्रॉन्ग रूम और परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एंबुलेंस स्टैंडबाय रखने को कहा गया है। प्रत्येक जिले में स्ट्रॉन्ग रूम प्रबंधन, प्रश्न पत्र वितरण तथा परीक्षा के बाद सामग्री को हरियाणा लोक सेवा आयोग, पंचकूला भेजने की निगरानी के लिए आईएएस और एचसीएस कैडर के नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को 24 अप्रैल से स्ट्रॉन्ग रूम पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, होटलों, कोचिंग संस्थानों और फोटोस्टेट दुकानों की जांच करने तथा परीक्षा ड्यूटी में लगे निजी एजेंसियों के कर्मचारियों का सत्यापन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की कड़ी तलाशी, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निरंतर निगरानी और आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की व्यवस्था की गई है।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

- भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता के असर से सेंसेक्स और निफ्टी में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंततः 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह पाई। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में दिन भर बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार खुलने के बाद मजबूती दिखी, लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया और अंततः 122.56 अंक की मामूली गिरावट के साथ 77,988.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,200 से नीचे आ गया। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों पर दबाव दिखा। सत्र के दौरान सेंसेक्स में 1,055 अंकों से अधिक का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जिसने बाजार की अनिश्चितता को उजागर किया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बाजार ने सुस्त शुरुआत की, लेकिन अंततः हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजारों में नरमी और कच्चे तेल के भाव में स्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की। सेंसेक्स 504.86 अंक बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर पहुंच गया। कुल मिलाकर यह सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति भारतीय बाजार की संवेदनशीलता और उसकी अंतर्निहित लचीलेपन दोनों को दर्शाता है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति को परमाणु ऊर्जा आयोग से मिली मंजूरी

– 2047 तक 100 गीगावाट लक्ष्य के लिए 20 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में एक कार्यशाला में घोषणा की गई कि प्रस्तावित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति को परमाणु ऊर्जा आयोग ने मंजूरी दे दी है और इसे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के लिए भेजा गया है। यह पहल शांति अधिनियम 2025 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य देश के महत्वाकांक्षी परमाणु ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक विशाल वित्तीय संसाधनों को जुटाना है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में परमाणु ऊर्जा विभाग की सदस्य (वित्त) सीमा जैन ने बताया कि एफडीआई पहल की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने क्षेत्र में धन की निरंतर आवक सुनिश्चित करने के लिए एक नए वित्तपोषण मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। जैन ने अनुमान लगाया कि यदि 22 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट के मानक आधार को लिया जाए, तो 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए लगभग 20 लाख करोड़ रुपए की विशाल पूंजी की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि फ्लीट मोड विस्तार या एक ही साइट पर कई रिएक्टरों की स्थापना से समग्र अनुमोदन चक्र और संयंत्र स्थापना में लगने वाले समय में कमी आएगी। हालांकि, एनटीपीसी के एक अे धिकारी ने निजी क्षेत्र और राज्य सरकारों की ओर से अपेक्षित उत्साह की कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विधेयक पारित होने के बाद भी निजी क्षेत्र से उतनी रुचि नहीं देखी जा रही है, जितनी की उम्मीद थी। केंद्र सरकार के हर राज्य में कम से कम एक परमाणु संयंत्र स्थल की पहचान करने के निर्देश का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल लगभग 14 राज्यों के साथ काम चल रहा है और स्वीकृति दर उतनी अधिक नहीं है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने परमाणु क्षमता वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए परियोजना समय-सीमा और टैरिफ में कटौती की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नए संयंत्रों के लिए वर्तमान शुल्क 5.50 से 6.50 रुपए प्रति यूनिट की सीमा में हैं, जिन्हें अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने की आवश्यकता है।

अवाडा इलेक्ट्रो को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

ब्रुकफील्ड समर्थित अवाडा ग्रुप की सौर विनिर्माण इकाई अवाडा इलेक्ट्रो को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये अनुमानित 9,000 से 10,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए सेबी से मंजूरी प्राप्त हो गई है। नियामक की सूचना के अनुसार इन तीनों कंपनियों को 15 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच नियामक की टिप्पियां मिलीं। सेबी की शब्दावली में टिप्पणी जारी करने का अर्थ सार्वजनिक निर्गम लाने की अनुमति देना है। अवाडा इलेक्ट्रो ने अक्टूबर में गोपनीय मार्ग से सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा किए थे। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार कंपनी 9,000 से 10,000 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रख रही है, जिससे इसका मूल्यांकन 1.10 लाख करोड़ रुपए से 1.3 लाख करोड़ रुपए के बीच हो सकता है। अवाडा इलेक्ट्रो के अलावा कपड़ा कंपनी सोनासेलेक्शन इंडिया और चेन्नई स्थित ग्रैंड हाउसिंग को भी आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने की छूट एक माह और बढ़ाई, भारत को राहत

- पहले अमेरिकी वित्त मंत्री ने छूट खत्म करने की बात कही थी

नई दिल्ली । अमेरिका ने भारत समेत कई अन्य देशों को रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने पर दी गई प्रतिबंधों से छूट को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला तब आया है, जब कुछ ही दिन पहले उसने इस विशेष राहत को आगे न बढ़ाने का संकेत दिया था, जिससे एक बड़ा यू-टर्न देखने को मिला है। यह छूट 16 मई तक लागू रहेगी, बशर्ते तेल 17 अप्रैल तक समुद्र में लोड हो चुका हो। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात एक आदेश जारी कर रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से छूट की अवधि को बढ़ा दिया है। यह छूट अब उन सभी शिपमेंट पर लागू होगी जो 17 अप्रैल, 2026 या उससे पहले समुद्र में मौजूद थे, और ये लेनदेन 16 मई तक पूरे किए जा सकते हैं। इससे पहले, अमेरिका ने भारत को 5 मार्च से एक महीने के लिए रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंधों से छूट दी थी, जबकि अन्य देशों के लिए यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी। नए सामान्य लाइसेंस संख्या 134बी ने पुराने लाइसेंस 134ए की जगह ली है। इस फैसले के पीछे वैश्विक तेल कीमतों में आए भारी उछाल को मुख्य वजह माना जा रहा है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध की शुरुआत के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि बुधवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अमेरिका रूसी तेल और ईरानी तेल से जुड़ी छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएगा। हालांकि, शुक्रवार को जारी आदेश ने उनके इस बयान को पलट दिया है। पिछली छूट के कारण रूस का 14 करोड़ बैरल तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंच पाया था, जिससे कीमतों को स्थिर रखने में काफी मदद मिली थी। नवीनतम विस्तार से भारत और अन्य देशों को बढ़ती कीमतों के बीच कुछ और राहत मिलने की उम्मीद है।

लेबनान में शांति तक खुला रहेगा समुद्री मार्ग, पर माननी होगी शर्तें विदेश मंत्री अरघची

– ईरान ने समन्वित मार्ग के पालन और लेबनान में शांति की शर्त रखी

नई दिल्ली ।

ईरान ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक बड़ा रास्ता खोल दिया है। देश के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरघची ने ऐलान किया है कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य अब पूरी तरह से वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोल दिया गया है। हालांकि, यह फैसला लेबनान में हुई सीजफायर के बाद लिया गया है और इसकी अवधि वहां शांति बने रहने तक सीमित रहेगी। विदेश मंत्री अरघची ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से इस महत्वपूर्ण घोषणा की जानकारी दी है, जिससे वैश्विक व्यापार, विशेषकर कच्चे तेल की आपूर्ति से जुड़े देशों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्री अरघची ने स्पष्ट किया कि यह मार्ग लेबनान में हुए युद्धविराम के बाद खोला गया है। उन्होंने कहा कि जब तक लेबनान में शांति बनी रहेगी, तब तक यह समुद्री रास्ता व्यापार के लिए खुला रहेगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अब किसी भी देश के वाणिज्यिक जहाज को यहां से गुजरने से रोका नहीं जाएगा, बशर्ते उन्हें ईरान के पोर्ट और समुद्री संगठन द्वारा बताए गए समन्वित मार्ग का पालन करना होगा। इस कदम से खाड़ी देशों से दुनिया भर में जाने वाले कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की आपूर्ति फिर से आसान हो जाएगी, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों को राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने इस मार्ग को खोलने के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त जोड़ी है, जो भविष्य में तनाव बढ़ने पर फिर से इस मार्ग को बंद करने की संभावना को दर्शाती है। अरघची के बयान के अनुसार, यह छूट केवल लेबनान में सीजफायर की

अवधि तक ही जारी रहेगी। इसका सीधा अर्थ है कि अगर लेबनान में दोबारा से संघर्ष शुरू होता है, तो ईरान फिर से इस रणनीतिक रास्ते पर रोक लगा सकता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर पड़ सकता है। यह फैसला ईरान की क्षेत्रीय नीति और कूटनीति का एक नया पहलू दिखाता है, जिसमें क्षेत्रीय स्थिरता को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से जोड़ा गया है।

नए लेबर कोड के असर से इन-हैंड सैलरी घटी, भविष्य सुरक्षित!

– बेसिक सैलरी हुई कुल सीटीसी का 50 फीसदी, पीएफ व ग्रेच्युटी में मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से लागू हुए नए लेबर कोड के बाद कर्मचारियों की मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आ सकती है। नए नियम के अनुसार, कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता (डीए) अब कुल वेतन का कम से कम 50 फीसदी होना अनिवार्य है। इससे दीर्घकालिक लाभ बढ़ेंगे, भले ही तात्कालिक सैलरी कम दिखे। नए नियम के तहत किसी भी कर्मचारी का बेसिक वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) उसकी कुल सैलरी (सीटीसी) का कम से कम 50 फीसदी होना चाहिए, जबकि शेष 50 फीसदी हिस्सा अन्य भत्तों (जैसे एचआरए, ट्रैवल आदि) में शामिल होगा। इस बदलाव के कारण, कर्मचारियों का भविष्य निधि में योगदान बढ़ जाएगा, जिससे उनकी मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आएगी। यह नियम उन कर्मचारियों पर लागू है जिनकी बेसिक सैलरी 15,000 रुपये से अधिक है,

कम बेसिक वाले कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के लिए, 50,000 रुपये मासिक सैलरी वाले कर्मचारी की इन-हैंड सैलरी में मासिक 600 रुपये तक की कमी आ सकती है। हालांकि, यह बदलाव कर्मचारियों के लिए दीर्घकालिक रूप से फायदेमंद साबित होगा। पीएफ में ज्यादा पैसा जमा होने का मतलब है कि

रिटायरमेंट के समय एक बड़ी जमा राशि मिलेगी, जिस पर बढ़ा हुआ सालाना ब्याज मिलेगा। साथ ही, बेसिक सैलरी में वृद्धि से ग्रेच्युटी की रकम भी काफी बढ़ जाएगी, जो रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी। यह कंपनियों को अलाउंस के नाम पर बेसिक सैलरी को बहुत कम रखने से भी रोकेगा।

कोयला मंत्रालय की 17 वाणिज्यिक खदानों की नीलामी शुरू

- पांच राज्यों में स्थित खदानें ऊर्जा सुरक्षा व आत्मनिर्भरता को देंगी बढ़ावा

नई दिल्ली । कोयला मंत्रालय ने घरेलू उत्पादन व ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 15वें दौर की शुरुआत कर दी है। इसमें कुल 17 कोयला ब्लॉक नीलामी के लिए पेश किए गए हैं। इन ब्लॉकों में 11 नए और 6 पहले पेशकश वाले हैं। इनमें 1 कोकिंग व 10 गैर-कोकिंग खदानें शामिल हैं, जिनका उपयोग स्टील व बिजली जैसे उद्योगों में होगा। ये खदानें झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में स्थित हैं। मंत्रालय का यह कदम आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश की ऊर्जा सुरक्षा सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वाणिज्यिक कोयला खनन को 2020 में निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में इन खदानों से 21 करोड़ टन कोयले का उत्पादन हुआ, जो पहली बार 20 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर गया। यह निजी भागीदारी और सुधारों के माध्यम से कोयला क्षेत्र में बढ़ती दक्षता व आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

पीएम सूर्य घर योजना तपती गर्मी में भी एसी चलाएं बेफिक्र, मुफ्त बिजली का पाएं लाभ!

– मुफ्त बिजली योजना से पाएं हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली

नई दिल्ली ।

जैसे-जैसे गर्मी अपने तेवर दिखा रही है, एयर कंडीशनर (एसी) घरों की एक बुनियादी जरूरत बनता जा रहा है। लेकिन एसी चलाने के साथ ही हर महीने आने वाले भारी-भरकम बिजली बिल की चिंता अक्सर लोगों को सताती है।

अब इस समस्या का समाधान लेकर आई है केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना, जो मध्यम वर्गीय परिवारों को बिजली के भारी बिलों से मुक्ति दिलाकर गर्मी में भी एसी चलाने का अवसर दे रही है। केंद्र सरकार की यह एक बड़ी और दूरगामी पहल है जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को अपने घरों की छत पर सौर ऊर्जा पैनल स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। इस योजना का दोहरा लाभ है, आप न केवल अपनी बिजली खुद पैदा करते हैं, बल्कि हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का आनंद भी ले सकते हैं। इससे बिजली बिल का बोझ काफी कम हो जाता है, खासकर गर्मी के महीनों में जब एसी और अन्य उपकरणों का उपयोग बढ़ जाता है। सबसे बड़ा सवाल जो लोगों के मन में होता है, वह है कि क्या सोलर पैनल से एसी चलाया जा सकता है? इसका सीधा जवाब है - बिल्कुल!

एक टन के एयर कंडीशनर को चलाने के लिए आमतौर पर 1.5 `किलोवाट से 2` किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल सिस्टम की आवश्यकता होती है। एक बार सही क्षमता का सिस्टम लग जाने के बाद, आप दिनभर बिना किसी चिंता के अपने एसी का लुत्फ उठा सकते हैं,

वो भी मुफ्त बिजली से। जेब पर नहीं पड़ेगा बोझ- भारी सब्सिडी का लाभ सोलर पैनल लगवाना अब महंगा सौदा नहीं रहा,

क्योंकि सरकार इस योजना के तहत भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। सोलर सिस्टम की कुल लागत का 40 से 60 फीसदी तक का हिस्सा केंद्र सरकार वहन करती है। पैनल स्थापित होने और सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा कर दी जाती है, जिससे जेब पर पड़ने वाला शुरुआती बोझ काफी कम हो जाता है।

यह योजना पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक बचत का भी एक बड़ा माध्यम बन रही है।

सरकार ने ओसीआई नियम बदले, 6 महीने रहने की शर्त खत्म, प्रक्रिया हुई डिजिटल

– आवेदन हुआ सरल और डिजिटल; बच्चों व जीवनसाथियों के लिए भी सुविधा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने विदेशी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) कार्ड धारकों और इसके लिए आवेदन करने वाले प्रवासी भारतीयों के लिए नियमों में बड़े बदलाव किए हैं।

1 अप्रैल 2026 से प्रभावी ये नए नियम ओसीआई प्रक्रिया को बेहद आसान और पूरी तरह डिजिटल बना देंगे, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी और आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने हेतु भारत में 6 महीने रहने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है।

नए नियमों के तहत, 8 अप्रैल 2026 से विदेशी नागरिकों को ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने से पहले भारत में कम से कम 6 महीने तक रहने की शर्त से मुक्ति मिल गई है। अब पात्र व्यक्ति भारत पहुंचते ही आवेदन कर सकेंगे, बशर्ते उनके पास वैध वीजा और सभी आवश्यक दस्तावेज हों। इसके साथ ही, ओसीआई कार्डधारकों के लिए अब यात्रा से पहले एक डिजिटल ई-अराइवल कार्ड ऑनलाइन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पीआईओ कार्ड को अब यात्रा दस्तावेज के रूप में पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

सरकार ने विभिन्न ओसीआई सेवाओं के लिए नया शुल्क ढांचा भी निर्धारित किया है- भारत में नया आवेदन- 15,000 रुपए, विदेश में नया आवेदन- 275 यूएसडी। कार्ड खोने या खराब होने पर 100 यूएसडी (लगभग 8,300 रुपए)। 20 साल की उम्र के बाद जानकारी अपडेट या री-इश्यू- 25 यूएसडी (लगभग 2,100 रुपए)। देरी से पासपोर्ट अपडेट करने पर- 25 यूएसडी विलंब शुल्क। बच्चों और जीवनसाथियों के लिए भी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र का अपोस्टिल होना आवश्यक है, लेकिन माता-पिता की सहमति से उन्हें सत्यापन के लिए बार-बार वीएफएस सेंटर नहीं जाना होगा। वहीं, यदि कोई भारतीय नागरिक या ओएीआई कार्डधारक का विदेशी जीवनसाथी है, तो पासपोर्ट रिन्यू होने पर नई फोटो और विवाह घोषणा (मैरिज डिक्लेरेशन) ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में विदेशी पासपोर्ट, नागरिकता प्रमाण पत्र, पुराने भारतीय पासपोर्ट की कॉपी और भारत में रहने के पते का प्रमाण शामिल हैं।

अदाणी का मुंबई में 1 लाख करोड़ का मेगा निवेश, मोतीलाल नगर का होगा कायापलट

– हजारों परिवारों को मिलेंगे मुफ्त घर, 143 एकड़ में विकसित होगा 15 मिनट सिटी मॉडल

मुंबई।

अदाणी समूह मुंबई के गोरेगांव पश्चिम स्थित मोतीलाल नगर में एक विशाल पुनर्विकास परियोजना में 1 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रहा है। यह भारत की सबसे बड़ी क्लस्टर पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है,

जिसका उद्देश्य क्षेत्र का कायापलट करना और हजारों परिवारों को आधुनिक आवास व सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अदाणी समूह की रियल एस्टेट इकाई, एस्टेटव्यू डेवलपर्स, महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) की देखरेख में इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अंजाम देगी। इस 1 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश में से, लगभग 36,000 करोड़ रुपये परियोजना के तहत पुनर्वास पर खर्च किए जाएंगे। इसके तहत, अदाणी समूह लगभग 10.5 लाख वर्ग मीटर का पुनर्वास घटक विकसित करके म्हाडा को सौंपेगा, जो महाराष्ट्र में विभिन्न आय वर्ग के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराता है। परियोजना का शेष 17 लाख वर्ग मीटर का फ्री-सेल घटक अदाणी समूह द्वारा खुले बाजार में बेचा जाएगा, जिससे निवेश का एक बड़ा हिस्सा वित्तपोषित होगा। समूह के एक अधिकारी ने बताया कि नियोजित निवेश के लिए धन समूह के आंतरिक संसाधनों और परियोजना की बिक्री से जुटाया जाएगा। यह परियोजना 143 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें मोतीलाल नगर 1, 2 और 3 का चरणबद्ध पुनर्विकास शामिल है। म्हाडा ने अगले सात वर्षों के भीतर परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस पुनर्विकास से 3,702 पात्र लाभार्थियों को लगभग 1,600 वर्ग फुट कारपेट एरिया के मुफ्त आवास मिलेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निवासियों की मांग के अनुरूप, पहले की योजना में उल्लिखित निर्मित क्षेत्र के बजाय कारपेट क्षेत्र के आधार पर आवास प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त, 328 पात्र वाणिज्यिक कब्जाधारकों को 987 वर्ग फुट का वाणिज्यिक स्थान मिलेगा, जबकि लगभग 1,600 झुग्गीवासियों को झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के प्रावधानों के तहत 300 वर्ग फुट के आवास के साथ पुनर्वासित किया जाएगा। म्हाडा और अदाणी समूह का लक्ष्य मोतीलाल नगर को शहर के भीतर एक 15 मिनट सिटी के रूप में पुनर्विकसित करना है।

एलपीजी संकट होगा खत्म, भारत बिछाएगा 2,500 किमी लंबी पाइपलाइन

- गैस की ढुलाई होगी सस्ती, संकटकाल में भी सुनिश्चित होगी निर्बाध आपूर्ति

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक रसोई गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम आपूर्ति में संभावित बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने देश भर में 2,500 किलोमीटर लंबी चार नई एलपीजी पाइपलाइन बिछाने के लिए 12,500 करोड़ के एक महत्वाकांक्षी मेगा प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह परियोजना एलपीजी की आपूर्ति को सुरक्षित, सस्ता और अधिक विश्वसनीय बनाने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान में एलपीजी को रिफाइनरियों से बॉटलिंग प्लांट तक ट्रकों और टैंकरों के माध्यम से ले जाया जाता है, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम अधिक होता है और लॉजिस्टिक्स लागत भी बढ़ जाती है। पाइपलाइन बिछने के बाद, सड़क हादसों का डर खत्म होगा, गैस की ढुलाई का खर्च कम होगा और ट्रकों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आने से पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। इन चार रणनीतिक पाइपलाइन मार्गों में चेरलापल्ली से नागपुर, शिक्रापुर - हुबली से गोवा, पारादीप से रायपुर और झांसी से सितारगंज शामिल हैं। ये पाइपलाइनें न केवल वितरण प्रणाली को बेहतर बनाएंगी, बल्कि भंडारण की सुविधा भी प्रदान करेंगी। युद्ध या किसी अन्य वैश्विक संकट की स्थिति में, जब विदेशी आपूर्ति बाधित हो सकती है, इन पाइपलाइनों में मौजूद गैस देश की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह पहल भारत को एलपीजी आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाने और उसकी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफ धमोरा

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरूआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है

वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

संपादकीय

गिरा संविधान संशोधन बिल

जैसे कि पहले से कायस लगाए जा रहे थे, शुक्रवार को लोकसभा में संविधान में प्रस्तावित 131वां संशोधन बिल मतदान के बाद गिर गया। दरअसल, यह बिल देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाया गया था। राजनीतिक पंडित पहले ही कह रहे थे कि संविधान संशोधन के लिये जरूरी दो तिहाई बहुमत सरकार के पास नहीं है, जिससे बिल के पारित होने पर संशय था। वैसा ही हुआ और राजग सरकार दो तिहाई वोट हासिल करने में विफल रही। बिल के समर्थन में 298 और इसके विरोध में 230 वोट पड़े। आखिरकार सरकार की ओर से कहा गया कि अब दोनों बाकी प्रस्तावित संशोधन बिलों को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं को 33 आरक्षण देने वाले कानून में संशोधन को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र में पिछले कुछ दिनों से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमागरम बहस जारी थी। विपक्ष इस संशोधन में शामिल परिसीमन को लेकर सरकार की घेराबंदी कर रहा था। दरअसल, दक्षिण भारत के उन राज्यों में इसको लेकर खासा विरोध था जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण करके आर्थिक विकास को प्राथमिकता बनाया था। उनकी आशंका थी कि परिसीमन विधेयक के अस्तित्व में आने से संसद में इन राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। विपक्ष में का आरोप है कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन बिल को पारित करने का उपक्रम महज कुछ राज्यों में हो रहे चुनाव में बढ़त हासिल करने के लिये था। ताकि महिला वोटरों को लुभाया जा सके। विपक्ष ने संसद में जारी बहस के बीच कानून मंत्रालय द्वारा महिला आरक्षण अधिनियम 2023 को लागू करने के लिये अधिसूचना जारी करने पर भी सवाल उठाये। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण कानून का उद्देश्य संसद और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिये 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का प्रावधान था। मगर राजग सरकार ने प्रस्तावित 131वें संविधान बिल 2026 में सीटों में आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की बात कही थी। दरअसल, विपक्ष इस संशोधन बिल की टाइमिंग और आरक्षण को परिसीमन के आधार पर लागू करने की शर्त पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस पार्टी की ओर से कहा गया कि 33 फीसदी आरक्षण को लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू करना चाहिए। विपक्ष परिसीमन से उपजी विसंगतियों और दक्षिण के राज्यों की चिंताओं को तरजीह देने की बात करता रहा है। वहीं सत्ता पक्ष की दलील रही कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध कर रहा है। बिल का मकसद महिला सशक्तीकरण ही है। जिसके लिये इसके लागू करने के तरीके का विरोध किया जा रहा है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि परिसीमन संविधान सम्मत है और बढ़ती आबादी के बाद सीटों को तार्किक बनाये जाने की जरूरत है। इस बीच दोनों पक्षों की ओर से एससी-एसटी के हितों के पैरोकार होने की दलीलें भी दी गई। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर उत्तर-दक्षिण का नैरेटिव गढ़ने का आरोप भी लगाया। साथ ही विपक्ष को महिलाओं के आक्रोश की कीमत चुकाने की भी चेतावनी दी। वहीं विपक्ष ने केंद्र पर देश का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि ये संशोधन दलित व पिछड़े वर्गों के हित में नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोस्वामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है। श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक कोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बूढ़े लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की कद्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

'वात्सल्य पीठ': करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

ललित गर्ग

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है।

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भाँति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं।

'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है।

शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्जा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया।

आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत

जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है।

निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है। 'वात्सल्य की छाया में जब आत्मा को विश्राम मिलेगा,

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप फिर दे सकते हैं कैमरन हैमिल्टन को फ़ेमा की कमान, पहले कर चुके हैं बर्खास्त

हैमिल्टन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी नेवी सील कैमरन हैमिल्टन को फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फ़ेमा) का स्थायी प्रशासक नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं, जो कि एक चौकाने वाला घटनाक्रम है। क्योंकि पिछले साल ही ट्रंप प्रशासन ने उन्हें इस पद से हटा दिया था। हैमिल्टन पूर्व अमेरिकी नेवी सील रह चुके हैं। हैमिल्टन पिछले साल जनवरी से मई तक फेमा के अंतरिम प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे। लेकिन उन्हें कैपिटल हिल में यह गवाही देने के एक दिन बाद उन्हें निकाल दिया गया कि वह उस ऑर्गनाइजेशन को खत्म करने के प्रपोजल से सहमत नहीं हैं। ट्रंप ने बार-बार इस एजेंसी को भंग करने का विचार रखा था। हैमिल्टन ने सदन की एक समिति के सामने साफ कहा था कि फेमा को खत्म करना अमेरिकी जनता के हित में नहीं होगा। इस बयान के अगले ही दिन उन्हें पद से हटा दिया गया था। फेमा अमेरिका में आपदाओं के समय राहत कार्यों का तालमेल बिठाने वाली मुख्य एजेंसी है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अब तक इस एजेंसी का कोई स्थायी प्रमुख नहीं रहा है। फिलहाल यह एजेंसी अपने तीसरे अस्थायी नेता के भरोसे चल रही है। जानकारों का कहना है कि स्थायी नेतृत्व न होने से एजेंसी की कार्यक्षमता पर बुरा असर पड़ता है। सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने बुधवार को हैमिल्टन को इस पद का प्रस्ताव दिया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने अभी इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। इस खबर की जानकारी सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी थी। हैमिल्टन की नियुक्ति से अब इस महत्वपूर्ण एजेंसी को एक स्थायी नेतृत्व मिलने की उम्मीद है।

जिम्बाब्वे में मिनीबस में लगी आग, करीब 18 लोगों की मौत

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे में गुरुवार को एक मिनीबस टैक्सी में भीषण आग लगने से करीब 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी के अनुसार, मृतकों की सटीक संख्या का अभी सत्यापन किया जा रहा है, लेकिन यह आंकड़ा लगभग 18 बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि यह मिनीबस देश के दूसरे सबसे बड़े शहर बुलावायो के पास एक हाईवे पर अचानक आग की लपटों में घिर गई। हालांकि, आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है। जिम्बाब्वे में मिनीबस टैक्सियां सार्वजनिक परिवहन का एक प्रमुख साधन हैं, लेकिन इनमें अक्सर क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जाता है, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन फटने से आठ की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुरुवार को गैस पाइपलाइन में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक महिला और एक बच्ची भी शामिल हैं। यह हादसा हरिपुर जिले के हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट इलाके में हुआ। बचाव दल के अधिकारियों के अनुसार, ग्रैंड ट्रंक रोड के पास एक ग्राइंडिंग मिल के नजदीक पाइपलाइन में धमाका हुआ, जिससे भीषण आग लग गई। धमाके के बाद पास का एक मकान भी आग की चपेट में आ गया, जिससे नुकसान और बढ़ गया तथा राहत कार्य में मुश्किलें आईं। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अब तक चार महिलाओं और छह बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया है। इस हादसे में कई महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। आग पर काबू पाने और घायलों को बचाने के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। हरिपुर के डिप्टी कमिश्नर वसीम अहमद ने बताया कि ज्यादातर मौतें दम घुटने के कारण हुई हैं।

न्यूयॉर्क मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी ने अपने पुराने आपत्तिजनक पोस्ट पर मांगी माफी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी रामा दुवाजी ने कई वर्ष पहले किए गए अपने एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। यह मामला तब सामने आया जब एक कंजर्वेटिव मीडिया संस्थान ने उनकी पुरानी ऑनलाइन गतिविधियों को खंगालकर उजागर किया। एक इंटरव्यू में दुवाजी ने कहा कि उन्हें अपने पुराने पोस्ट को लेकर गहरी शर्मिंदगी महसूस होती है। उन्होंने कहा, ' 15 साल की उम्र में उन्होंने वह पोस्ट किया था, लेकिन उम्र कोई बहाना नहीं हो सकती। मैंने जो भाषा इस्तेमाल की, वह दूसरों के लिए नुकसानदेह थी।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने लोगों की प्रतिक्रियाएं पढ़ीं और समझा कि मैंने उन्हें कितना आहत किया। इसके लिए मैं दिल से माफी मांगती हूं। हालांकि, दुवाजी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किन-किन पोस्ट की बात कर रही हैं और न ही उन्होंने इस्राइल से जुड़े अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी की, जिन पर भी विवाद हुआ है।

भारतीय मूल की महिला को अमेरिका में आईसीई ने हिरासत में लिया

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में भारतीय मूल की 53 वर्षीय महिला मीनू बत्रा को इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। मीनू बत्रा का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उन्हें 24 घंटे तक बिना खाना-पानी के रखा गया और कई दिनों तक दवाइयां भी नहीं दी गईं। उन्होंने कहा है कि उनके साथ क्रिमिनल्स जैसा बर्ताव किया गया जबकि वे 35 सालों से अमेरिका में रह रही हैं। वहीं मीनू बत्रा का बेटा अमेरिकी सेना का हिस्सा है। जानकारी के मुताबिक मीनू बत्रा को 17 मार्च को हार्लिजेन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया था, जब वह काम के सिलसिले में मिलवॉकी जा रही थीं। फिलहाल वह रेमंडविल के एल वैले डिटेंशन सेंटर में बंद हैं। उन्होंने अदालत में दाखिल याचिका में यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उन्हें हथकड़ी लगाकर फोटो खिंचवाने के लिए मजबूर किया।

मीनू बत्रा ने लगाए आरोप : अपने बयान में मीनू बत्रा ने बताया कि सुरक्षा जांच के बाद कुछ अधिकारियों ने उन्हें रोका और उनकी इमिग्रेशन स्थिति के बारे में पूछा। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि उनके खिलाफ डिपोर्टेशन का आदेश है। हालांकि बत्रा ने कहा है कि उनके पास 'विदहोल्डिंग ऑफ रिमूवल' के तहत वैध काम करने की अनुमति है, जो उन्हें साल 2000 में मिली थी। मीनू बत्रा ने बताया कि एक अधिकारी ने उनसे कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि आप यहां हमेशा रह सकती हैं।' इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मीनू बत्रा का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उनसे हाथ पीछे करके फोटो खिंचवाए गए ताकि ऐसा लगे कि वह हथकड़ी में हैं। उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें सोशल मीडिया के लिए ली गईं। उन्होंने कहा, 'इससे मुझे बहुत अपमानित महसूस हुआ और मेरे साथ अपराधी जैसा व्यवहार किया गया।' हिरासत के दौरान उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है और कुछ ही दिनों में उनकी आवाज भी चली गई। सिख दंगे में मारे गए माता-पिता

मीनू बत्रा का अतीत भी काफी मुश्किलों भरा रहा है। उन्होंने बताया कि 1980 के दशक में भारत में सिख विरोधी हिंसा के दौरान उनके माता-पिता की हत्या हो गई थी, जिसके बाद वह अमेरिका चली गई थीं। वह पिछले 35 साल से अमेरिका में रह रही हैं और टेक्सास में हिंदी, पंजाबी और उर्दू की एकमात्र लाइसेंस प्राप्त कोर्ट इंटरप्रेटर हैं। उन्होंने 20 साल से ज्यादा समय तक इमिग्रेशन कोर्ट में काम किया है।

मीनू बत्रा के चार बच्चे भी हैं। उनका एक बेटा हाल ही में अमेरिकी सेना में शामिल हुआ है और उसने अपनी मां की रिहाई के लिए अपील की है। उनके बेटे ने एक बयान में कहा, 'मैंने अपने देश के लिए बहुत कुछ किया है। अब मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि मेरा देश मेरी मां को वापस दिला दे।'

तीसरे देश में भेजे जाने की संभावना : मीनू बत्रा के वकीलों का कहना है कि उनकी हिरासत कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है और वे उनकी रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा रहे हैं। मामले की सुनवाई जल्द होने की उम्मीद है। वहीं अमेरिकी सरकार की ओर से कहा गया है कि मीनू बत्रा के खिलाफ साल 2000 में ही डिपोर्टेशन का अंतिम आदेश जारी हो चुका है। गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वह तब तक हिरासत में रहेंगी जब तक उन्हें हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती और उन्हें पूरा कानूनी अधिकार दिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा गया कि काम करने की अनुमति किसी को अमेरिका में रहने का स्थायी अधिकार नहीं देती। उनकी कानूनी स्थिति के अनुसार उन्हें भारत भेजा नहीं जा सकता, लेकिन किसी तीसरे देश में भेजा जा सकता है। मीनू बत्रा के वकील दीपक अहलूवालिया ने कहा है कि अभी तक यह साफ नहीं किया गया है कि उन्हें कहां भेजा जाएगा।

अमेरिका: डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को झटका, प्रतिनिधि सभा ने पारित किया हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा बिल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने गुरुवार को एक ऐसा विधेयक पारित किया, जिसमें दोनों प्रमुख दलों के सांसदों ने मिलकर वोट किया। यह विधेयक हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को बढ़ाने से जुड़ा है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के उस प्रयास के खिलाफ माना जा रहा है, जिसमें इस सुरक्षा कार्यक्रम को खत्म करने की कोशिश की जा रही थी। विधेयक को डेमोक्रेट सांसदों ने कुछ रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से आगे बढ़ाया। जबकि, रिपब्लिकन पार्टी का नेतृत्व इसका विरोध कर रहा था। इसमें ट्रंप प्रशासन से मांग की गई है कि हैती के प्रवासियों को मिलने वाली अस्थायी सुरक्षा को तीन साल के लिए बढ़ाया जाए। इससे अमेरिका में रह रहे लाखों योग्य प्रवासी देश से निकाले जाने (निर्वासन) के डर के बिना रह सकेंगे। मतदान में 224 सांसदों ने विधेयक के पक्ष में वोट किया और 204 सांसदों ने इसके खिलाफ वोट किया। सदन में तालियां भी बजीं। यह विधेयक अब सीनेट में जाएगा और यह भी संभावना है कि राष्ट्रपति इसे रोकने के लिए वीटो कर दें। डेमोक्रेट सांसद अयाना प्रेसली ने कहा, मैं जानती हूं कि हैती से आए हुए हमारे पड़ोसी हमारे समुदायों, हमारी संस्कृति, हमारे काम और हमारी अर्थव्यवस्था के लिए कितने अहम हैं। उन्होंने बताया कि हैती के प्रवासी स्वास्थ्य सेवा, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे समस्या नहीं हैं, बल्कि समाधान का हिस्सा हैं। प्रेसली ने कहा कि हैती के लोगों को वापस भेजना उनके लिए 'मृत्युदंड' जैसा होगा, क्योंकि वहां प्राकृतिक आपदाएं और गिरोहों की हिंसा की गंभीर स्थिति है। यह विधेयक अमेरिका में रह रहे लगभग 3.5 लाख हैती प्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ा है, जबकि प्रशासन कई समूहों का यह दर्जा खत्म करने की कोशिश कर रहा है। अगले दो हफ्तों में सुप्रीम कोर्ट भी एक मामले पर विचार करेगा, जो हैती और सीरिया के प्रवासियों की सुरक्षा समाप्त करने से जुड़ा है।

अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ाया, 26 लोगों के वीजा पर लगाई रोक

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने वीजा प्रतिबंध नीति को आगे बढ़ा दिया है। अमेरिकी राज्य डिपार्टमेंट ने घोषणा की है कि वह पश्चिमी क्षेत्र में अपनी वीजा प्रतिबंध नीति को बढ़ा रहा है और 26 लोगों पर रोक लगाई है। राज्य विभाग ने एक बयान में कहा कि यह नीति उन लोगों को टारगेट करती है जो अमेरिका के दुश्मनों की तरफ से अमेरिकी हितों को कमजोर करने के लिए काम कर रहे हैं। राज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी साफ करती है: यह सरकार दुश्मन ताकतों को जरूरी संपत्तियों पर मालिकाना हक या कंट्रोल करने या हमारे इलाके में अमेरिकी सुरक्षा और खुशहाली को खतरा पहुंचाने की काबिलियत से दूर रखेगा। राज्य विभाग देश में अमेरिकी लीडरशिप को आगे बढ़ाने, हमारे देश की रक्षा करने और हमारे पूरे इलाके में जरूरी रास्तों और इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।' अमेरिकी राज्य विभाग ने मौजूदा वीजा प्रतिबंध नीति में एक बड़े बदलाव का ऐलान किया। राज्य विभाग ने कहा, 'यह बढ़ी हुई नीति हमें अपने इलाके के उन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा पर रोक लगाने में मदद करती है, जो पश्चिमी गोलार्ध के देशों में रहते हुए और जानबूझकर दुश्मन देशों, उनके एजेंटों या कंपनियों की तरफ से काम करते हुए, ऐसी गतिविधियों में शामिल होते हैं, मंजूरी देते हैं, उनकी फंडिंग करते हैं, उन्हें बड़ा समर्थन देते हैं, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं और उन्हें कमजोर करती हैं। ये लोग और उनके करीबी परिवार के सदस्य आम तौर पर अमेरिका में एंट्री के योग्य नहीं होंगे।'

अमेरिकी राज्य विभाग ने बताया कि इन गतिविधियों में जरूरी संपत्ति और रणनीतिक संसाधन हासिल करने या कंट्रोल करने में दुश्मन ताकतों की मदद करना; क्षेत्रीय सुरक्षा की कोशिशों को अस्थिर करना; अमेरिकी आर्थिक हितों को कमजोर करना और हमारे इलाके के देशों की संप्रभुता और स्थिरता को कमजोर करने के लिए डिजाइन किए गए प्रभावी ऑपरेशन चलाना शामिल हैं।

सीजफायर के दौरान इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किमी का सुरक्षा जोन बनाए रखेगा : नेतन्याहू

यरूशलम , एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर का सुरक्षा क्षेत्र बनाए रखेगा। उनका यह बयान उस समय आया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की। यह समझौता नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है और इसे अमेरिकी पूर्वी समय के अनुसार शाम 5 बजे से लागू किया जाना है। नेतन्याहू ने बताया कि उन्होंने हिजबुल्लाह की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पीछे हटने के लिए कहा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायली सेना लेबनान के अंदर बनाए गए इस सुरक्षा क्षेत्र में ही तैनात रहेगी। उनका कहना है

कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के इलाकों को हमलों और टैंक रोधी हथियारों से बचाने में मदद करेगा। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौता करने का मौका है। उन्होंने बताया कि ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उन्हें और लेबनान के राष्ट्रपति को बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। नेतन्याहू के अनुसार, यह मौका इसलिए बना है क्योंकि इजरायल ने लेबनान में ताकत का संतुलन अपने पक्ष में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से सीधे शांति वार्ता के संकेत मिले हैं। उन्होंने बताया कि इन बातचीतों में इजरायल की दो मुख्य शर्तें होंगी- पहली, हिजबुल्लाह को पूरी तरह हथियार छोड़ने होंगे, और दूसरी, एक स्थायी शांति समझौता होना चाहिए। ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिया है कि वे समुद्री नाकेबंदी जारी रखेंगे और ईरान की बची हुई परमाणु क्षमता को खत्म करने के लिए दृढ़ हैं। नेतन्याहू ने इन कदमों को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे आने वाले वर्षों में सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति में बड़ा बदलाव आ सकता है। इस बीच, ट्रंप ने गुरुवार को इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य तनाव को कुछ समय के लिए कम करना है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू और जोसेफ आउन से बातचीत के बाद दोनों पक्ष 10 दिन के युद्धविराम पर सहमत हुए हैं, जो वाशिंगटन समय के अनुसार शाम 5 बजे से शुरू होगा। यह युद्धविराम उस संघर्ष को रोकने की कोशिश है, जो तब बढ़ गया था जब इजरायल ने ईरान से जुड़े हिजबुल्लाह के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया था। हालांकि लेबनान और इजरायल के बीच औपचारिक युद्ध नहीं है, लेकिन हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखता है और उसने इज़राइल पर कई हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजराइल ने भी कार्रवाई की है।

हिंदू संत चिन्मय दास को बांग्लादेश की कोर्ट से मिली जमानत, लेकिन जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को एक मामले में जमानत दे दी है। हालांकि, अन्य मुकदमों के कारण वे अभी भी पुलिस हिरासत में यानी जेल में ही रहेंगे। यह आदेश गुरुवार को चटगांव में न्यायिक मजिस्ट्रेट सखावत हुसैन ने एक सुनवाई के बाद जारी किया। चिन्मय दास पर एक वकील की हत्या सहित छह अन्य मामले दर्ज हैं, जिसके कारण उनकी रिहाई अभी संभव नहीं है।

जमानत वाले मामले की पृष्ठभूमि : चिन्मय दास के वकील अपूर्व कुमार भट्टाचार्य ने फोन पर समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जिस मामले में उन्हें जमानत मिली है, वह 2023 में दर्ज किया गया था। यह मामला पूर्व मंत्री मीर मोहम्मद नासिर उद्दीन (पर्वतीय क्षेत्र और भूमि राज्य मंत्री मीर मोहम्मद हेलाल उद्दीन के पिता) द्वारा दायर किया गया था। चटगांव के हठजारी स्थित मेखल इलाके में जमीन हड़पने, डराने-धमकाने और मारपीट करने का आरोप है। इस मामले में चिन्मय कृष्ण दास समेत कुल छह लोगों को आरोपी बनाया गया था।

वकील की हत्या और अन्य गंभीर मामले : चिन्मय दास की मुश्किलें अन्य गंभीर मामलों के कारण कम नहीं हुई हैं। 26 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान से जुड़े देशद्रोह के एक मामले में चिन्मय की जमानत पर सुनवाई के दौरान भारी हिंसक झड़पें हुई थीं। इसी हिंसा के दौरान वकील सैफुल इस्लाम की बेरहमी से पीट-पीटकर और धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद, उनके पिता जमाल उद्दीन ने 31 लोगों को नामजद करते हुए हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। इन घटनाओं के बाद पुलिस पर हमले, सरकारी कामकाज में बाधा डालने, वकीलों और वादियों पर हमले तथा कॉकटेल (देसी बम) विस्फोट के आरोप में भी मामले दर्ज किए गए।

मामले की वर्तमान स्थिति (ट्रायल) : हत्या के इस मामले में पुलिस ने पिछले साल 1 जुलाई को ही आरोप पत्र (चार्जशीट) अदालत में पेश कर दिया था। पुलिस चार्जशीट में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि वकील सैफुल इस्लाम की हत्या चिन्मय कृष्ण दास के उकसावे और उनके सीधे निर्देशों पर की गई थी। 25 अगस्त को अदालत ने चिन्मय कृष्ण दास सहित कुल 39 आरोपियों के खिलाफ इस आरोप पत्र को स्वीकार कर लिया था। वर्तमान में इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई चल रही है और यह ट्रायल अभी गवाहों की गवाही के चरण में है।

ट्रंप ने ईरान डील और सीजफायर पर आगे बढ़ने के संकेत दिए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान अब समझौता होने के काफी करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि परमाणु समझौते पर प्रगति हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो संघर्ष विराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया जा सकता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है और हम उनसे बहुत अच्छे तरीके से बातचीत कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईरान अब वे कदम उठाने को तैयार है, जिनके लिए वह दो महीने पहले तैयार नहीं था। उन्होंने साफ किया कि मुख्य उद्देश्य वही है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर ईरान के पास परमाणु हथियार हुआ तो दुनिया के लिए बड़ा खतरा होगा।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बना सके।

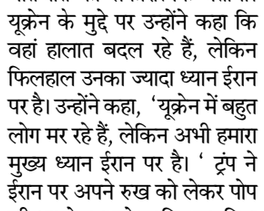

ट्रंप ने कहा कि बातचीत तेजी से आगे बढ़ सकती है और अगली आमने-सामने की बैठक शायद वीकेंड में हो सकती है। सीजफायर को लेकर उन्होंने कहा कि इसे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर हम समझौते के करीब होंगे तो मैं इसे बढ़ा सकता हूं, लेकिन हम पहले ही काफी करीब हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो फिर से लड़ाई शुरू हो सकती है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैन्य और आर्थिक दबाव के कारण ही ईरान बातचीत की मेज पर आया है। उन्होंने प्रतिबंधों को बहुत प्रभावी बताया और कहा कि इनके कारण ईरान कोई खास व्यापार नहीं कर पा रहा है और उसकी ताकत भी काफी कम हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार और तेल की कीमतों पर इसका अच्छा असर दिख रहा है। उन्होंने कहा, 'शेयर बाजार अच्छा चल रहा है। तेल की कीमतें नीचे आ रही हैं... ऐसा लग रहा है कि हम ईरान के साथ एक डील करने जा रहे हैं।' मध्य पूर्व के बारे में ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच चल रही अलग बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के लिए संघर्ष विराम का एक अच्छा प्रस्ताव बन रहा है, जिसमें हिजबुल्लाह भी शामिल हो सकता है। ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी हाल की बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरी उनसे बहुत अच्छी बात हुई, वे अच्छा काम कर रहे हैं।' उन्होंने इस बातचीत को सकारात्मक बताया। यूक्रेन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वहां हालात बदल रहे हैं, लेकिन फिलहाल उनका ज्यादा ध्यान ईरान पर है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन में बहुत लोग मर रहे हैं, लेकिन अभी हमारा मुख्य ध्यान ईरान पर है।' ट्रंप ने ईरान पर अपने रुख को लेकर पोप की आलोचना को खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि उन्हें असहमत होने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा, 'पोप जो चाहें कह सकते हैं... लेकिन मैं उनसे असहमत हो सकता हूं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इजरायल-लेबनान सीजफायर का किया स्वागत

बेरूत, एजेंसी। इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आखिरकार राहत की खबर सामने आई है। शुक्रवार को दोनों देशों के बीच 10 दिनों का युद्धविराम लागू हो गया। इस सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही कर दी थी। इस कदम का उद्देश्य पिछले एक महीने से जारी हिंसक संघर्ष को रोकना है, जिसमें 2,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। जैसे ही युद्धविराम लागू हुआ, अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसका स्वागत किया और सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम उन सभी कदमों का स्वागत करते हैं जो 'ब्लू लाइन' के दोनों ओर हिंसा और पीड़ा को समाप्त करने में मदद करें। उन्होंने संबंधित पक्षों से इस युद्धविराम का पूरी तरह पालन करने की अपील भी की। गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'मैं इजरायल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम की घोषणा का स्वागत करता हूं और इसे संभव बनाने में अमेरिका की भूमिका की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे इस संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में बातचीत का रास्ता खुलेगा और इस क्षेत्र में स्थायी और व्यापक शांति की दिशा में चल रहे प्रयासों में मदद मिलेगी। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे संघर्ष-विराम का पूरी तरह सम्मान करें और हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें।

वहीं, अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-गीत ने इस समझौते को लेबनान के लोगों की पीड़ा कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने सभी पक्षों से तुरंत इसका पालन करने और स्थायी शांति के लिए गंभीर बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने भी इस युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए

ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम समझौते का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युद्ध को रोकना है। मिस्र ने इसे क्षेत्रीय तनाव कम करने और इजरायली हमलों को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इस युद्धविराम को स्थायी बनाने, मानवीय सहायता पहुंचाने और विस्थापित लोगों की घर वापसी सुनिश्चित करने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। संयुक्त अरब अमीरात और कतर ने भी इस पहल का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि यह क्षेत्र में स्थिरता और स्थायी शांति की दिशा में एक मजबूत आधार बनेगा। बता दें कि नवंबर 2024 से लागू पिछला युद्धविराम भी पूरी तरह सफल नहीं रहा था और लगभग रोजाना हमले जारी रहे। यह संघर्ष 2 मार्च को फिर भड़क गया, जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर रॉकेट दागे, जिसके जवाब में लेबनान में भारी हवाई हमले किए गए।

जानिए क्यों जरूरी है लिवर हमारे शरीर के लिए

WHO की मानें तो लीवर की बीमारी भारत में मौतों की 10वीं सबसे बड़ी वजह है। यह हमारे शरीर का सबसे बड़ा अंग है और एक फैक्टरी की तरह काम करता है, जहां हम जो भी खाते हैं, वो प्रोसेस होता है। यह हमारे खाने के जरिए शरीर में पहुंचने वाले ग्लूकोज, फैट, वगैरह को प्रोसेस करता है। इसलिए यह हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है, जो खाने को पचाने में मदद करता है। लिवर को जिगर या यकृत भी कहते हैं। 19 अप्रैल को World Liver Day के मौके पर आइए जानते हैं लिवर की सेहत के बारे में कुछ जरूरी बातें

मोटापे और डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। इससे फैटी लिवर होने का खतरा भी बढ़ जाता है, जो लिवर के डिसफंक्शन और लिवर सिरोसिस का कारण बनता है। अगर आप डायबिटीज या हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के शिकार हैं, तो उन्हें लेकर सतर्क होना बेहद जरूरी है। डायबिटीज पर सख्त नियंत्रण बेहद जरूरी है, ताकि शुगर लेवल हाई होने की वजह से लिवर को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

आपका खानपान ऐसा होना चाहिए, जिससे मोटापे या डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सके। इसलिए फ्रीइड या फास्ट फूड का सेवन बेहद सीमित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। 10 से 20 साल तक अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

स्मोकिंग से भी लिवर को काफी नुकसान पहुंचता है। धूम्रपान करने वालों में लिवर कैंसर के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। सिगरेट में मौजूद तत्व कार्सोजेनिक (कैंसर कारक) होते हैं। इस मामले में पैसिव स्मोकर्स पर भी बराबर का खतरा होता है।

लिवर की बीमारी के अस्पष्ट कारणों में मितली लगना, भूख खत्म होना और वजन घटना शामिल है। लिवर बिगड़ने का सबसे शुरुआती लक्षण जॉनडिस या पीलिया होता है। हालांकि कभी-कभी लिवर डैमेज के लक्षण में जॉनडिस नहीं भी होता है। लिवर की सेहत पर नजर रखने के लिए liver function test कराने की सलाह डॉक्टर अक्सर देते हैं। आप चाहें तो साल में एक बार या कम से कम दो बार ब्लड टेस्ट कराकर लिवर को हो रहे नुकसान का पता लगा सकते हैं।

अनाज में जिंक की कमी से बढ़ रहा डायरिया, मलेरिया और निमोनिया का खतरा

जलवायु परिवर्तन से अनाज में जिंक (जस्ता) की मात्रा तेजी से घट रही है, जिसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है। अध्ययन में दावा किया गया है कि अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन के कारण अनाज में जिंक कम हो रहा है। जिंक की कमी से डायरिया, मलेरिया तथा निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। जिंक शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को दुरुस्त भी बनाए रखता है। मैथ्यू स्मिथ, अश्विनी छत्रे, सुपर्णा घोष और सैमुअल एस. म्येर्स द्वारा भारत पर किए गए अध्ययन के अनुसार, वर्ष 1983 में देश में जिंक की कमी के शिकार लोगों का प्रतिशत 17 था, जो 2012 में बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच गया। इसका मतलब यह हुआ कि इन तीन दशकों में 8.2 करोड़ और लोग जिंक की कमी के शिकार हुए।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2050 तक पांच फीसदी और भारतीय आबादी जिंक की कमी के चपेट में आ सकती है। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में खाद्यान्न के उपभोग को लेकर 30 सालों के एनएसएसओ के आंकड़ों, देश के विभिन्न हिस्सों में सात परिवारों के खानपान के पैटर्न का अध्ययन करने के बाद यह नतीजा निकाला है। सभी प्रमुख अनाजों जिसमें चावल, गेहूं, मक्का, जौ तथा फलियां शामिल हैं, उच्च कार्बन उत्सर्जन से प्रभावित हो रही हैं। दक्षिणी भारत समेत देश के जिन हिस्सों में चावल का सेवन ज्यादा होता है, वे लोग जिंक की कमी के ज्यादा शिकार हुए हैं। वहीं शहरी आबादी में भी जिंक की कमी पाई जा रही है।

शरीर का पोषक तत्व

जिंक शरीर के लिए जरूरी आठ सूक्ष्म पोषक तत्वों में से एक है। यह शरीर में नहीं बनता है, बल्कि भोजन से ही शरीर को प्राप्त होता है।

इसलिए होती है कमी

कार्बन डाई आक्साइड पौधों के लिए जरूरी है। जितना कार्बन उत्सर्जन ज्यादा होगा, उतने ही पौधों की वृद्धि बेहतर होगी। पौधों की वृद्धि अच्छी हो रही है, लेकिन इससे अनाज के दानों की गुणवत्ता घट रही है।

कितनी कमी

रिपोर्ट के अनुसार, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और फलियों में जिंक की कमी 5-11 फीसदी की दर्ज की गई है। यह तुलना 1983 से पहले के आंकड़ों से की गई है।

इस तरह हो समाधान

रिपोर्ट में समस्या का समाधान भी सुझाया गया है। इसके अनुसार, इस समस्या से निपटने के लिए भारत को दो उपाय करने होंगे। एक तो कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जाए। दूसरे, जिंक की कमी से निपटने के लिए राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम में जिंक को अलग से प्रदान करें।

रेसिपी

दही भल्ले

- पानी पूरी- आवश्यकतानुसार
- उबले आलू- 2
- चाट मसाला पाउडर- 1 चम्मच
- नीबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटा प्याज- 2
- दही- 1/2 कप
- काला नमक- स्वादानुसार
- चीनी- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- आवश्यकतानुसार
- चाट मसाला पाउडर- आवश्यकतानुसार
- हरी चटनी- 1/2 कप
- मीठी चटनी- 1/2 कप
- सेव- 1 कप

विधि

एक बाउल में आलू का छिलका छीलकर मैश करें। उसमें चाट मसाला और नीबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। एक दूसरे बाउल में दही, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह से फेंट लें। सर्विंग प्लेट में पानी पूरी रखें और एक-एक करके सारी पानी पूरी के बीच में छेद करें। उसमें थोड़ा-थोड़ा आलू वाला मिश्रण डालें। ऊपर से थोड़ा-थोड़ा प्याज, दही, दोनों चटनियां, सेव, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पत्ती डालें। तुरंत सर्व करें।

करेला चिप्स

- करेला- 4-5 (छीलें और गोल टुकड़ों में कटे)
- हल्दी पाउडर- आधा टीस्पून
- धनिया पाउडर- 2 टीस्पून
- सौंफ पाउडर- 2 टीस्पून
- अमचूर पाउडर- आधा टीस्पून
- नींबू का रस- 2 टीस्पून
- जीरा- आधा टीस्पून
- हींग -1 चुटकी
- नमक - स्वादानुसार
- सरसों का तेल - आवश्यकतानुसार

विधि

सबसे पहले करेले को नमक लगाकर करीब 20 मिनट तक रख दें। 20 मिनट के बाद करेले को अच्छी तरह से धोकर एक छलनी में निकाल लें, ताकि एक्स्ट्रा पानी निकल जाए। अब एक कड़ाही में सरसों का तेल डालकर गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तब इसमें करेले को डालकर चारों तरफ से पलटकर क्रिस्पी ब्राउन होने तक फ्राई कर लें और एक प्लेट में निकाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें हींग और जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तब इसमें हल्दी पाउडर डालकर हल्का सा भून लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें फ्राई किए हुए करेले, अमचूर पाउडर, नमक, सौंफ पाउडर, धनिया पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। करेले चिप्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी कुंचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

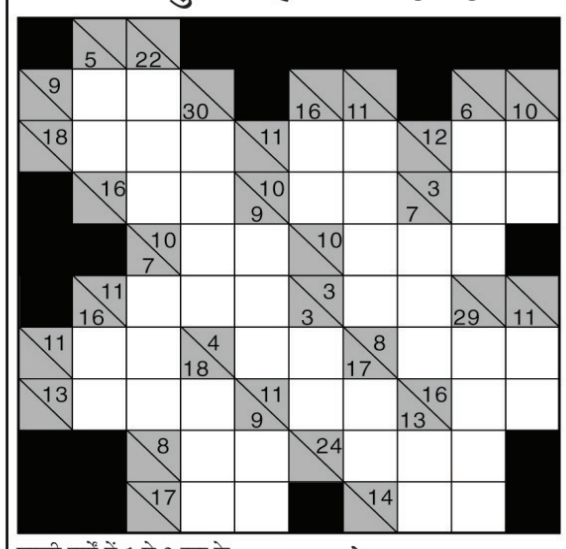

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

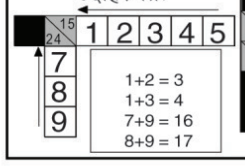

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

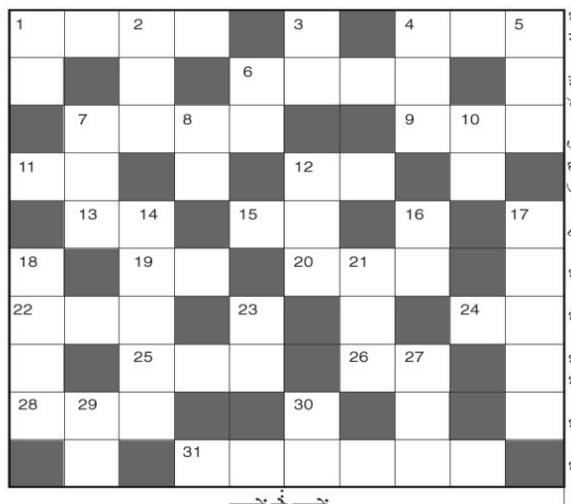

काकुरो पहेली -4029

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो -4028 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4029

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4028

सूडोकु -4029

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4028 हल

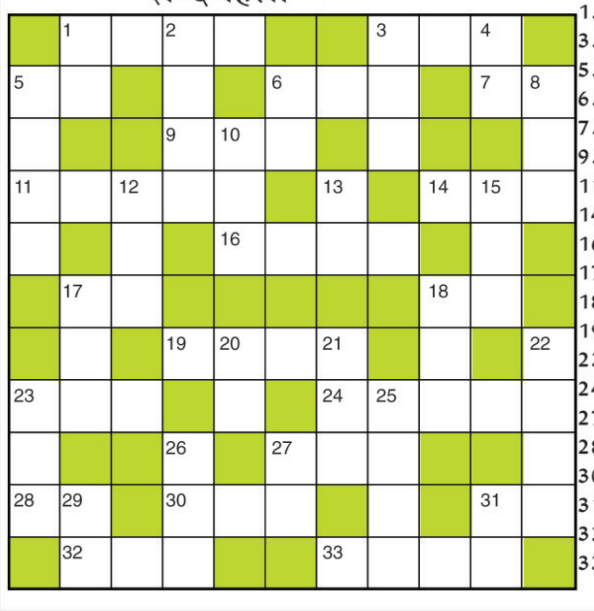

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 4029

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली 4028 का हल

ईडी ने नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के कार्यालय से कई दस्तावेज बरामद किए

एजेंसी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने महाराष्ट्र के नासिक जिले में दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के कार्यालय से कई दस्तावजे बरामद किए। मौके पर ईडी की टीम के साथ मामले की छानबीन कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की टीम भी उपस्थित थी। इस मामले की छानबीन कर रहे एसआईटी के एक अधिकारी ने बताया कि ईडी और उनकी टीम ने आज आरोपित अशोक खरात के कार्यालय, घर और अन्य जगहों पर संयुक्त रुप से छापा मारा था। अशोक खरात के नासिक स्थित ओकस प्रापर्टीज नामक को एसआईटी ने सील कर दिया था, जिसे आज फिर खोला गया था। इस कार्यालय पर ईडी ने करीब चार घंटे तक तलाशी ली और कई दस्तावेज, कागजपत्र और डिजिटल सबूत जब्त किया है। ईडी की टीम ने अशोक खरात के ठिकानों पर इससे पहले सोमवार को महाराष्ट्र के नासिक, पुणे और शिरडी की 11 जगहें शामिल थीं, जिनमें खरात का दफ़्तर शामिल नहीं था। जिन 11 जगहों पर तलाशी ली गई, उनमें खरात की दूसरी संपत्तियां, उनके कुछ रिश्तेदारों और सहयोगियों की संपत्तियां शामिल थीं। इस कार्रवाई में खरात के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की जगह भी शामिल थी। उल्लेखनीय है कि नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित अशोक खरात के विरुद्ध दुष्कर्म और धोखाधड़ी के कुल 14 मामले दर्ज हैं। इन मामलों में अशोक खरात पर बड़े पैमाने पर आर्थिक लेन देन और उन पैसों को प्रापर्टी खरीदने में निवेश का आरोप हैं।

'पोषण पखवाड़ा 2026' के तहत मिजोरम में सामुदायिक भागीदारी और पोषण जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली। राष्ट्रव्यापी पोषण पखवाड़ा 2026 के तहत मिजोरम के खावबंग में समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) प्रोजेक्ट ने पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रभावी गतिविधियों का आयोजन किया।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार इस पहल का मुख्य लक्ष्य सामुदायिक सहभागिता के जरिए कुपोषण मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाना है। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों ने सामाजिक कार्य से जुड़ी पहलों और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों सहित कई गतिविधियों का आयोजन किया। उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण पौष्टिक भोज कार्यक्रम रहा, जिसमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध भोजन के संतुलित और स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को प्रदर्शित किया गया ताकि समुदाय में बेहतर आहार संबंधी आदतों को प्रोत्साहित किया जा सके। एक समन्वय समिति ने प्रोजेक्ट के अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान समिति ने जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की और लाभार्थियों तथा अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं से बातचीत की। इन दौरों से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की महिलाओं और बच्चों के पोषण संबंधी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता देखने को मिली।

विश्व विरासत दिवस के उपलक्ष्य में 'वस्त्र विरासत' पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन

नई दिल्ली। भारतीय विरासत संस्थान (आईआईएच) ने यहां विश्व विरासत दिवस के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष समारोह का आयोजन शुरू किया। यह आयोजन 17-22 अप्रैल तक चलेगा। संस्थान के अनुसार इस समारोह का उद्देश्य मानव विरासत के संरक्षण के वैश्विक संकल्प को सुदृढ़ करना है। इस बीच वंचित समुदायों के लिए 'वस्त्र विरासत' पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन होगा। समारोह के दौरान व्याख्यान, कार्यशालाएं और ऑनलाइन संवाद आयोजित किए जाएंगे। शनिवार को (18 अप्रैल) संस्थान के सभागार में दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित होंगे। सुबह 11 बजे कथक नृत्यांगना डॉ. शोवना नारायण 'कथक गति में विरासतः समय और परंपरा की कथाएं' विषय पर अपनी प्रस्तुति और विचार साझा करेंगी। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. संजय कुमार मंजुल 'सिंधु-सरस्वती संस्कृति के नवीन साक्ष्यः राखीगढ़ी में उत्खनन' विषय के माध्यम से इतिहास के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे। इस सत्र की अध्यक्षता भारतीय विरासत संस्थान के कुलपति डॉ सच्चिदानंद जोशी करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 अप्रैल को राउरकेला में कई प्रमुख परियोजनाओं का करेंगी लोकार्पण

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 अप्रैल को ओडिशा के राउरकेला दौरे के दौरान शहरी प्रबंधन और विज्ञान आधारित बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगामी 21 अप्रैल को राउरकेला दौरे को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में लोक सेवा भवन में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राष्ट्रपति के दौरे की सभी व्यवस्थाएं त्रुटिरहित और सुचारु रूप से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियों की नियमित निगरानी करने को कहा। बैठक में विकास आयुक्त सह अतिरिक्त मुख्य सचिव देवरंजन कुमार सिंह, गृह, उद्योग एवं सूचना-लोकसंपर्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हेमंत शर्मा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गृह विभाग के विशेष सचिव आर.के. शर्मा ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की रूपरेखा प्रस्तुत की। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति 21 अप्रैल की सुबह नई दिल्ली से वायुसेना के विशेष विमान से रवाना होकर पूर्वाह्न 10:25 बजे झारसुगुड़ा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगी। वहां से वे हेलीकॉप्टर के माध्यम से लगभग 11:10 बजे राउरकेला पहुंचेंगी।

स्मृति ईरानी ने सपा प्रमुख को गोरखपुर से चुनाव लड़कर जीतने की दी चुनौती

एजेंसी

वाराणसी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'सास बहू' वाले तंज पर पलटवार किया है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि वह अपनी पैतृक लोकसभा सीट से नहीं बल्कि किसी और सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं। वह एक कामकाजी महिला हैं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पैतृक सीट (अमेठी) से चुनाव लड़कर जीत चुकी हैं। यदि अखिलेश यादव में दम है तो वह गोरखपुर की सीट से चुनाव लड़े और जीत कर दिखाएं।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौकाघाट स्थित सांस्कृतिक संकुल सभागार में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' (सशक्त नारी, सशक्त भारत) कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान मीडिया कर्मियों से रूबरू थीं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जिन्हें राजनीति विरासत में मिली है, उन्हें

उनकी याद आना अच्छा है। कामकाजी महिला पर टिप्पणी करना आसान होता है, खासकर उनके लिए जिन्होंने कभी खुद कहीं नौकरी ना की हो या फिर अपनी पहचान मेहनत से न बनाई हो। महिला आरक्षण बिल को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के स्टैंड पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान में किसी को धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावधान नहीं है, अखिलेश यादव को यह पता होना चाहिए। पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने अखिलेश यादव को धारावाहिक छोड़कर संसद के काम पर ध्यान देने और महिला सशक्तिकरण बिल का समर्थन करने की सलाह दी। स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत की महिलाओं के साथ सभी दल न्याय करें। नारी के इस सम्मान में खलल डालने वालों को देश माफ नहीं करेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर विपक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि देश की जनता और अल्पसंख्यकों को विपक्ष गुमराह कर रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की मांग को भारत का संविधान धर्म के आधार पर स्वीकार नहीं करता। अखिलेश यादव वाकई मुस्लिम महिलाओं के उत्थान के प्रति गंभीर होते, तो वे तीन तलाक के मुद्दे पर उनके विरोध में खड़े नजर नहीं आते। अखिलेश यादव के बयानों को पूर्व मंत्री ने 'वोट बैंक' की राजनीति करार दिया।

सिर्फ दिखावा नहीं, अब भारत के भविष्य को संवारने में सीधी भूमिका चाहती हैं महिलाएं: किरण बेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला आरक्षण संशोधन बिल (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) को लेकर देशभर में चर्चा तेज है। इसी बीच पूर्व आईपीएस अधिकारी और दिल्ली की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उनका कहना है कि महिलाएं चुनाव में एक निर्णायक शक्ति हैं। सिर्फ दिखावटी तौर पर उन्हें खुश करना काफी नहीं, अब वे भारत के भविष्य को संवारने में अपनी सीधी भूमिका चाहती हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी और दिल्ली की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने इस मुद्दे पर अपनी राय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा कि अगर संसद इस महिला आरक्षण बिल को पास करने में चूक जाती है, तो महिला मतदाता उन दलों का समर्थन कर सकती हैं जो 2029 की संसद और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई महिला प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का वादा करेंगे। उनके अनुसार, आज की महिला मतदाता अब सिर्फ वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि वे ठोस बदलाव चाहती हैं। किरण बेदी का कहना है कि महिलाएं अब चुनावी राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक रूप से खुश करना काफी नहीं है, बल्कि उन्हें असली फैसले लेने की प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है। उनके अनुसार, देश के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं की सीधी और सक्रिय भूमिका बेहद अहम है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मतगणना केंद्र घटाकर 87 किए गए

एजेंसी

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले दो चरणों के विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 87 कर दी है। वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में मतगणना केंद्रों की संख्या 90 थी, जिसे वर्ष 2021 में बढ़ाकर 108 किया गया था। इस बार आयोग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इनकी संख्या घटाकर 87 कर दी गई है। इन 87 मतगणना केंद्रों में सबसे अधिक 12 केंद्र दक्षिण 24 परगना में बनाए गए हैं। इसके बाद उत्तर 24 परगना में आठ और हुगली में छह केंद्र होंगे। सबसे कम एक-एक केंद्र कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार और झाड़ग्राम में बनाए गए हैं।पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान 23 और 29 अप्रैल को होगा। मतगणना चार मई को कराई जाएगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसी बीच आयोग ने बताया कि मंगलवार रात नौ बजे तक कुल 18,38,572 संपत्ति विरूपण के मामलों को हटाया जा चुका है। इनमें

15,80,892 मामले सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े थे, जबकि शेष 2,25,170 मामले निजी संपत्तियों से संबंधित थे। आयोग ने कहा कि अवैध राजनीतिक विज्ञापनों को हटाने के लिए व्यापक अभियान जारी है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सभी जिलों में सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से विरूपण हटाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अपने अधिकार क्षेत्र की सभी सार्वजनिक संपत्तियों से विरूपण हटाए जाने का प्रमाण भी दिया है। आयोग की एक अन्य विज्ञप्ति के अनुसार अब तक चलाए गए अभियान में पश्चिम बंगाल से 427 करोड़ रुपये जब्त की गई है। इसमें 21 करोड़ नकद, 81 करोड़ की मदिरा, 100 करोड़ के मादक पदार्थ, 54 करोड़ की बहुमूल्य धातु तथा 172 करोड़ की उपहार सामग्री और अन्य वस्तुएं शामिल हैं।

आयोग ने बताया कि यह जब्ती 2728 उड़नदस्ता दलों और 3142 स्थिर निगरानी दलों की कार्रवाई से संभव हुई है, जिन्हें राज्यभर में तैनात किया गया है।आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि जांच और निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न न हो। इस संबंध में शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला शिकायत समितियों का गठन किया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करेंगे, लेकिन परिसीमन स्वीकार नहीं है : ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करेगी, लेकिन इसके साथ किसी अन्य प्रस्ताव को जोड़कर लाया गया तो उसका समर्थन नहीं किया जाएगा। उन्होंने परिसीमन के मुद्दे पर भी कड़ा विरोध जताया।

उत्तर बंगाल दौरे से लौटने के बाद दमदम सेंट्रल जेल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि महिलाओं के सम्मान के नाम पर अन्य राजनीतिक उद्देश्य पूरे करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक को माध्यम बनाकर लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन लागू करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में नगर निकायों और पंचायतों में पहले से ही 50 प्रतिशत आरक्षण लागू है। उन्होंने दावा किया कि राज्य से 37 प्रतिशत महिला सांसद निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का वे स्वागत

करती हैं, लेकिन इसके साथ परिसीमन स्वीकार नहीं है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए देश को बांटने की कोशिश हो रही है और कुछ राज्यों का प्रभाव कम कर दूसरे क्षेत्रों की सीटें बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे किसी प्रयास को नहीं मानेगी।

केंद्र सरकार पर एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का उत्सव होता है, लेकिन इसे भय और उत्पीड़न का माध्यम बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले मतदाता सूचियों से लोगों के नाम हटाए गए और केंद्रीय एजेंसियों के जरिए विरोधियों को परेशान किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राजनीतिक मुकाबला चुनाव मैदान में होना चाहिए, न कि दबाव बनाकर। ममता बनर्जी ने संकेत दिया कि इस मामले में वह कानूनी कदम भी उठाएंगी।

परिसीमन को लेकर विपक्ष द्वारा आशंकाएं फैलाई जा रही हैं : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि परिसीमन को लेकर विपक्ष द्वारा आशंकाएं फैलाई जा रही हैं। उन्होंने विपक्ष के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। धर्मेंद्र प्रधान ने इस विषय पर कहा कि परिसीमन की यह प्रक्रिया पूरी तरह संवैधानिक है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के मुताबिक परिसीमन का उद्देश्य देश के संघीय ढांचे को मजबूत करना है। गौरतलब है कि परिसीमन के जरिए देश में लोकसभा की सीटों में बढ़ोतरी किए जाने का प्रस्ताव है। विपक्ष का कहना है कि यह प्रस्ताव न्याय संगत नहीं है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि इस परिसीमन में दक्षिण के राज्यों के साथ भेदभाव का किया जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को आधार बनाकर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दक्षिण भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व 23.76 प्रतिशत से बढ़कर 23.90 फीसदी होना यह दर्शाता है कि सरकार का दृष्टिकोण आनुपातिक और न्यायसंगत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गृह

मंत्री अमित शाह ने परिसीमन की बहस को स्पष्ट संवैधानिक धरातल पर रख दिया है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक निष्पक्षता और संघीय संतुलन की रक्षा के लिए अनिवार्य बताया। शिक्षा मंत्री ने विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह कहना पूरी तरह गलत है कि इससे दक्षिण या किसी भी राज्य के साथ अन्याय होगा। यह केवल एक संकीर्ण राजनीतिक एजेंडा है। धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि भारत का 'कोऑपरेटिव फेडरलिज्म' चयनात्मक आशंकाओं से ऊपर रहना चाहिए। परिसीमन का लक्ष्य किसी क्षेत्र की आवाज दबाना नहीं, बल्कि हर नागरिक को समान लोकतांत्रिक अधिकार देना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र के साथ सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नई परिसीमन प्रक्रिया में किसी भी राज्य के साथ कोई भेदभाव न हो और देश की एकता सुदृढ़ बनी रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा परिसीमन को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक आशंकाओं का गृहमंत्री ने तथ्यों के साथ स्पष्ट खंडन किया है। परिसीमन लेकर विपक्ष पूरे देश को गुमराह करने की साजिश कर रहा है, ये बातें कभी सफल नहीं होने वाली हैं। यह कहना कि इससे दक्षिण या किसी भी राज्य के साथ अन्याय होगा, केवल एक भ्रामक राजनीतिक एजेंडा है। विपक्ष अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए इस एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है।उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जिन लोगों ने वर्षों तक सत्ता के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया, संविधान की भावना के साथ समझौता किया।

जयपुर में सीवर टैंक में जहरीली गैस से दो सफाईकर्मियों की मौत

एजेंसी

जयपुर। शहर के करधनी थाना क्षेत्र के झोटवाड़ा जोन स्थित शेखावत मार्ग, निवारू रोड, वार्ड संख्या 24 में दोपहर सीवरेज टैंक की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सीवर चैम्बर में बनी जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो सफाईकर्मियों की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि सीवरेज टैंक में सफाई कार्य के दौरान अचानक गैस बनने से दोनों मजदूरों की हालत बिगड़ गई और वे मदद के लिए चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकालकर कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान पुरानी बस्ती निवासी अजय और बनीपार्क निवासी रामबाबू के रूप में हुई है। दोनों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। प्रथम दृष्टया मौत का कारण जहरीली गैस से दम घुटना माना जा रहा है। पूरे मामले की जांच जारी है।घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम जयपुर के अधिकारी अस्पताल पहुंचे। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि मामले में लापरवाही सामने आई है, जिसकी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह भी जांच होगी कि ठेकेदार द्वारा कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे या नहीं तथा निर्धारित एसओपी का पालन किया गया या नहीं।

दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर, वाल्मीकि सफाई कर्मचारी संगठन अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने बताया कि इस हादसे को गंभीर लापरवाही का परिणाम बताया है।

श्रमिकों की वेतन वृद्धि को लेकर उद्यमियों में निराशा, सरकार से मांगा विशेष राहत पैकेज, पलायन की भी दी धमकी

एजेंसी

नोएडा। औद्योगिक इकाइयों पर बढ़ते आर्थिक दबाव और हाल के दिनों में मजदूरों के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में हिंसक प्रदर्शनों के बीच सरकार के वेतन वृद्धि के निर्देश से यहां के विभिन्न उद्यमी संगठनों में निराशा है। उद्यमियों का आरोप है कि वेतन वृद्धि के निर्णय को लागू करने से पहले उद्योग संगठनों से संवाद नहीं किया गया। उद्यमियों ने सरकार उद्योगों के लिए राहत पैकेज या विशेष योजना लागू करने की मांग की है। कई उद्यमियों नेयहां से कारोबार समेटने तक की बात कही है।ग्रेटर नोएडा के प्रेस क्लब स्वर्ण नगरी में विभिन्न औद्योगिक संगठनों ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष रखा है। इसमें इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए), इंडियन एंटरप्रेन्योर एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती और इकोटेक-12 एसोसिएशन के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी संगठनों ने एक स्वर में कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में उद्योगों पर आर्थिक बोझ तेजी से बढ़ा है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उद्यमियों ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने दबाव में आकर वेतन वृद्धि का निर्णय लिया, जिसका सीधा असर उद्योगों की लागत पर पड़ा है। उनका कहना है कि मजदूर संगठनों अब भी

सोशल मीडिया के माध्यम से उद्यमियों को संदेश और धमकियां भेजकर 20 हजार रुपये वेतन करने की मांग की जा रही है, जिससे उद्योगों में असुरक्षा और तनाव का माहौल बन गया है। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष नरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि किसी भी निर्णय को लागू करने से पहले उद्योग संगठनों से संवाद नहीं किया गया। बंदूक की नोक पर फैसले मनवाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। प्रशासन और पुलिस की ओर से भी उस समय कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिखी, जब कई जगहों पर उपद्रव की स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि हालिया घटनाओं में करीब 100 कंपनियों को नुकसान हुआ है, जिनमें से एक कंपनी को लगभग 80 लाख रुपये का नुकसान झेलना पड़ा। उत्पादन बाधित होने से कई ऑर्डर समय पर पूरे नहीं हो सके, जिससे उद्योगों की साख पर भी असर पड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नुकसान की भरपाई नहीं की गई तो उद्योग संगठन धरना-प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के अध्यक्ष सरबजीत सिंह ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों का असर पहले से ही उद्योगों पर पड़ रहा है। उन्होंने टैरिफ वार और अंतरराष्ट्रीय तनाव, विशेष रूप से ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए कहा कि इन कारणों से कच्चे माल की कीमतों और निर्यात पर असर पड़ा है। ऐसे में अचानक वेतन वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उद्योगों के लिए और अधिक कठिनाई पैदा कर रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो कई उद्योग इकाइयां यहां से अपना कारोबार समेटने पर विचार कर सकती हैं। इससे न केवल स्थानीय रोजगार प्रभावित होगा, बल्कि प्रदेश में निवेश का माहौल भी बिगड़ सकता है। पत्रकार वार्ता में सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। उद्यमियों ने मांग की कि औद्योगिक क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की हिंसक घटना या दबाव की स्थिति न बने। बिना सुरक्षा के उद्योग चलाना संभव नहीं है और इससे निवेशकों का भरोसा भी कमजोर होता है।

जमीअत उलमा-ए-हिंद ने यूसीसी को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया, संघर्ष का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद ने मदरसों को बंद करने या उनकी व्यवस्था में हस्तक्षेप करने की हर कोशिश की निंदा करते हुए हर स्तर पर कानूनी कार्रवाई और संवैधानिक संघर्ष करने का फैसला लिया है। इसके अलावा कार्यकारी समिति ने उत्तराखंड, गुजरात की समान नागरिक संहिता को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया और इसके खिलाफ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष का ऐलान किया। कार्यकारी समिति की दो दिवसीय बैठक नई दिल्ली में जमीअत उलमा-ए-हिंद के मुख्यालय में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें देश और समाज के समक्ष मौजूद महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सामाजिक और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। कार्यकारी समिति ने जमीअत उलमा-ए-हिंद की गतिविधियों को और विस्तार देने के लिए स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुसार प्रशिक्षण विभाग, मॉडल विलेज (जन विकास सेवा), व्यापार एवं उद्योग विभाग और आदर्श मस्जिद विभाग

जैसे नए विभागों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की। कार्यकारी समिति की बैठक में मदरसों की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता, समाज सुधार और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति के संबंध में भी सपष्ट और दो-टूक रुख अपनाया गया। कार्यकारी समिति ने अपने प्रस्ताव में देश के अलग-अलग हिस्सों में इस्लामी मदरसों के खिलाफ हो रही कार्रवाईयों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया गया कि मदरसों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप भारत के संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 29 और 30 का उल्लंघन है। सभा में मदरसों को बंद करने या उनकी व्यवस्था में हस्तक्षेप करने की हर कोशिश की निंदा करते हुए निर्णय लिया गया कि इस मामले में हर स्तर पर कानूनी कार्रवाई और संवैधानिक संघर्ष किया जाएगा। यह भी अपील की गई कि वह अपनी दस्तावेजों, व्यवस्था और अकाउंट्स की मजबूत तैयारी करें ताकि किसी भी कानूनी चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। कार्यकारी समिति ने उत्तराखंड में मदरसे चलाने के लिए लगाई गई कुछ शर्तों को खारिज करते हुए उन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। कार्यकारी समिति ने स्पष्ट किया कि मदरसों को किसी भी शैक्षिक बोर्ड से संबद्ध होने के लिए मजबूर करना और अध्यापकों की नियुक्ति पर अनावश्यक पाबंदियां लगाना स्वीकार्य नहीं है। कार्यकारी समिति ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और दूसरे सामाजिक संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थाओं के साथ मिलकर संयुक्त रणनीति अपनाने, राष्ट्रीय स्तर पर अधिवेशन का आयोजन करने, अदालतों का दरवाजा खटखटाने और देश के राष्ट्रपति और दूसरे जिम्मेदार लोगों को ज्ञापन देने का फैसला किया गया।

एटीएस ने नासिक टीसीएस कंपनी के कथित धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण मामले में दो आरोपितों से शुरु की पूछताछ

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र एंटी टेरोरिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) की टीम ने नासिक टीसीएस कंपनी में हुए कथित धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण मामले की जांच के लिए दो आरोपितों से पूछताछ शुरु कर दी है। इस मामले की मुख्य आरोपित निदा मोईन नाविद खान की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले की छानबीन महाराष्ट्र एटीएस ने आज से शुरु कर दी है। इसके चलते आज एटीएस की टीम ने इस मामले के आरोपित समी शेख और रजा मेमन को पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में लिया है। इन दोनों से एटीएस की टीम धर्म परिवर्तन, यौन शोषण के साथ टेरर फंडिंग के ऐंगल से भी पूछताछ कर रही है। हालांकि इस मामले की जानकारी आज देश की नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी की टीम और राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने भी लिया है। इस मामले में धर्मपरिवर्तन का मुद्दा आने से राज्य और देश की जांच एजेंसियां मामले की गहन छानबीन कर रही हैं। इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक कुल 8 आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपित निदा मोईन नाविद खान अभी तक फरार है। निदा खान को ढूंढने के आज एसआईटी और एटीएस की टीम ठाणे जिले के भिवंडी और मुंब्रा इलाके में कई जगहों में छापामार कार्रवाई की, लेकिन कहीं भी निदा खान का पता नहीं चल सका है। इस मामले में पुलिस ने निदा के पति मोईन खान से भी कड़ी पूछताछ की है, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग सका है। निदा खान के मोबाइल लोकेशन से जांच कर रही एसआईटी को पता चला है कि आज ही निदा मुंब्रा इलाके में तीन बार अपनी जगहें बदल चुकी हैं। निदा खान के पति ने पूछताछ में बताया कि उनकी पत्नी फिलहाल गर्भवती है और उसने वकील बाबा सिद्दीकी के माध्यम से नासिक जिला अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दिया है। इस आवेदन पर कल शनिवार को सुनवाई होगी। साथ ही टीसीएस कंपनी ने इस मामले में निदा खान को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि फिलहाल कंपनी के अन्य कर्मचारियों को वर्क फ्रामहोम की अनुमति दी गई है, लेकिन निदा खान को इसकी भी अनुमति न देते हुए सीधे नौकरी से निकाल दिया गया है। फिलहाल इस मामले की हर ऐंगल से जांच जारी है।

केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटे से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है। सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथीशा पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब यह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है।

केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिंकू सिंह पूरी तरह से फॉर्म से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर नौ रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविवार को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 रन की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अप्रत्याशित घटना थी। इसे सुधारना उनकी प्राथमिकता होगी।

यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। सीजन की शुरुआत में कुछ बारिश के बाद, कोलकाता के अपने गर्म और आर्द्र गर्मी के मौसम में लौटने की उम्मीद है, जिसमें तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है।

यह मैदान स्पिनरों के पक्ष में रहा है और गर्म धूप में सतह के पकने के साथ, धीमी गति के गेंदबाजों के लिए कुछ मदद मिल सकती है। आमने-सामने के मुकाबलों में, केकेआर कुल मिलाकर 16-14 से आगे है और ईडन गार्डन्स में मैचों में 7-4 से आगे है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कैमरून ग्रीन ने अहमदाबाद में जीटी के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने स्पष्ट किया कि ग्रीन ने ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं की, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह गेंदबाजी के लिए उपलब्ध होंगे। मथीशा पथिराना अभी तक टीम में शामिल नहीं हुए हैं। वरुण चक्रवर्ती का आरआर के खिलाफ अनुकूल रिकॉर्ड रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 18 के औसत से 13 विकेट लिए हैं। केकेआर अपने स्पिन जादूगर पर निर्भर रहेगी कि वह इस करो या मरो जैसे मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करें। राजस्थान रॉयल्स की ओर से कोई चोट की खबर नहीं है। आरआर के स्पिनरों ने इस सीजन में 15.85 के औसत से 14 विकेट लिए हैं और उनका संघर्षरत केकेआर बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ, खासकर स्पिन के खिलाफ उनकी लड़ाई निर्णायक हो सकती है।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद: ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार कम बैक

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। यहां खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अद्भुत दृढ़ संकल्प और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद टीम इंडिया ने जिस तरह से वापसी की, वह उनके मानसिक मजबूती और आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संकेत है। यह प्रदर्शन न केवल टीम का आत्मविश्वास बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए भी सकारात्मक संकेत देता है। श्रृंखला का आगाज भारत के लिए निराशाजनक रहा, जहां 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच में अर्जेंटीना ने अपनी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को 4-2 से पराजित किया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने कुछ उम्मीदें जगाईं, लेकिन मेजबान टीम की फॉरवर्ड जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। दूसरा मैच भी भारत के हाथ से निकल गया, जब अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरी जीत दिलाते हुए सीरीज में 2-0 की बढ़त दिला दी। इन शुरुआती झटकों के बाद भारतीय टीम पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और 16 अप्रैल को खेले गए तीसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की। इस मैच में नवनीत कौर और नेहा ने महत्वपूर्ण गोल दागे, जिससे टीम को न केवल सीरीज में वापसी का मौका मिला, बल्कि खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा। इस जीत ने टीम में एक नई ऊर्जा का संचार किया और आगामी मुकाबले के लिए मजबूत आधार तैयार किया। 17 अप्रैल को खेले गए चौथे और निर्णायक मैच में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, क्योंकि भारतीय डिफेंस ने अर्जेंटीना के हर आक्रमण को विफल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। अंततः मैच का फैसला शूटआउट से हुआ, जहां भारत ने 3-2 से रोमांचक जीत हासिल कर सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। यह जीत भारतीय महिला हॉकी टीम की दबाव में भी शांत रहने और बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण रही।

कार्यवाहक कप्तान नवनीत कौर ने टीम के इस शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, पहले दो मैच हारने के बाद जिस तरह से टीम ने वापसी की, उससे मैं बहुत खुश हूँ। अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ यह वापसी आसान नहीं थी, लेकिन हमारी टीम ने असाधारण जज्बा दिखाया। उन्होंने आगे जोर देकर कहा, यह दर्शाता है कि भारतीय महिला हॉकी टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है और हम बड़े मुकाबलों में दबाव को कुशलता से संभाल सकते हैं। यह श्रृंखला भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित हुई है, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए और भी मजबूत बनाएगी।

दिल्ली ने बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया, केएल राहुल का अर्धशतक

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल के एक रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। डेविड मिलर ने लगातार दो छक्के और एक चौका लगाकर एक बॉल रहते जीत दिला दी।

टॉस हार कर बैटिंग कर रही बेंगलुरु ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 175 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.5 ओवर में 6 विकेट रहते टारगेट चेज कर लिया।

176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही 3 विकेट गंवा दिए। तीनों विकेट भुवरेश्वर कुमार ने लिए। हालांकि ओपनर केएल राहुल एक एंड से टिके रहे और अर्धशतक लगाया। उनके और ट्रिस्टन स्टब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है।

SAI तक पहुंची कोच की काली करतूतें? नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने लगाए शोषण के आरोप, किए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा और सुमित अंतिल ने जैवलिन कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और गाली-गलौज के गंभीर आरोप लगाए हैं। स्ड्ढ को सौंपी गई शिकायत में कोच के व्यवहार का खुलासा हुआ है।

एथलेटिक्स में खासकर जैवलिन थ्रो के जरिए भारत ने हाल के वर्षों में बड़ी पहचान बनाई है, जिसमें नीरज चोपड़ा की अहम भूमिका रही है। उनके साथ ही पैरालंपिक में सुमित आंतिल ने लगातार दो गोल्ड मेडल जीतकर इस खेल को देश में और लोकप्रिय बना दिया।

लेकिन अब इन दोनों स्टार खिलाड़ियों ने एक भारतीय जैवलिन कोच पर गंभीर आरोप लगाकर खेल जगत में हलचल मचा दी है। नीरज चोपड़ा, सुमित अंतिल और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और अभद्र भाषा के इस्तेमाल के आरोप लगाए हैं।

खिलाड़ियों को गाली-गलौज का आरोप

एक रिपोर्ट के अनुसार, इन खिलाड़ियों ने Sports Authority of India (SAI) को लिखित शिकायत सौंपी है। इसमें आरोप है कि नवल सिंह शराब के नशे में खिलाड़ियों को गाली-गलौज से भरे वॉयस मैसेज भेजते हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वह खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवारों के लिए भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

सुमित अंतिल ने की शिकायत

इस मामले में मुख्य शिकायतकर्ता सुमित अंतिल हैं, जिन्होंने पहले भी SAI और पैरालंपिक Committee of India के सामने यह मुद्दा उठाया था। लेकिन कार्रवाई न होने पर उन्होंने 10 अप्रैल को औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई। सुमित ने कहा कि वह विवाद से दूर रहना चाहते हैं, लेकिन बार-बार हो रही घटनाओं के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

वहीं Neeraj Chopra ने भी सुमित के आरोपों का समर्थन करते हुए कोच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा और व्यवहार न सिर्फ अनुचित है, बल्कि बेहद शर्मनाक और गैर-पेशेवर भी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों और उनके परिवारों के प्रति इस तरह का रवैया खेल भावना और शिष्टाचार के खिलाफ है।

जोस बटलर टी20 में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से रन बनाने को तरस रहे गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक बड़ी और अनोखी उपलब्धि हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस महत्वपूर्ण मैच में, इंग्लैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कगिसो रबाडा की गेंद पर अंगक्रिश रघुवंशी का शानदार कैच लपका। रघुवंशी का यह कैच पकड़कर बटलर ने टी20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह एक विकेटकीपर के लिए असाधारण उपलब्धि है, जो उनकी फिटनेस, एकाग्रता और विकेटकीपिंग कौशल का प्रमाण है। उनसे पहले, क्रिकेट जगत में यह उल्लेखनीय उपलब्धि केवल तीन अन्य खिलाड़ियों वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर और साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक ने हासिल की थी। अहमदाबाद में केकेआर और जीटी के बीच खेला गया आईपीएल 2026 का यह मैच जोस बटलर के करियर का 498वां टी20 मैच था। यह आंकड़ा उनकी लंबी और सफल टी20 करियर को दर्शाता है, जिसमें उन्होंने विभिन्न लीगों और अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगातार प्रदर्शन किया है। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड के नाम है। पोलार्ड ने 2006 से अब तक एक दर्जन से अधिक टीमों के लिए कुल 735 टी20 मैचों में 405 कैच लिए हैं, जो उनकी असाधारण फील्डिंग क्षमता का प्रमाण है। उनके बाद, डेविड मिलर का नंबर आता है, जिन्होंने 561 मैचों में 332 कैच पकड़े हैं, और फिर क्विंटन डी कॉक हैं, जिन्होंने 440 मैचों में 316 कैच लपके हैं। जोस बटलर का इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होना उनकी विकेटकीपिंग और फील्डिंग कौशल को एक नई पहचान देता है। आईपीएल में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट के महान कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम है।

आईपीएल में आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने पंत की लखनऊ सुपर जाइंट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और टीम ने जबरदस्त फॉर्म दिखाई है, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने लखनऊ की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया है, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

पंजाब किंग्स ने इस सीजन में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जहाँ टीम ने अपने शुरुआती मैचों में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में धार स्पष्ट रूप से दिखाई दी है, जो उन्हें इस मुकाबले में मजबूत दावेदार बनाती है। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विशेष रूप से महारत हासिल की है, जहाँ उन्होंने हाल के मैचों में दबाव में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है।

इसके विपरीत, लखनऊ सुपर जाइंट्स फिलहाल अंक तालिका में निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है और लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उनका प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत का महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो जाना,

लखनऊ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी कोहनी पर बंधी पट्टी उनकी फिटनेस को लेकर संशय बनाए हुए है, जो टीम के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकता है।

लखनऊ की बल्लेबाजी इस सीजन में उनकी कमजोर कड़ी साबित हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहाँ मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रमण में कमी को दर्शाता है। इसके विपरीत, पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी ने इस सीजन में अपनी ताकत दिखाई है, जहाँ उन्होंने कई बार 200 से अधिक रन बनाए हैं। प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने में मदद मिलती है।

लखनऊ की गेंदबाजी इकाई में प्रिंस यादव, आवेश खान जैसे गेंदबाज शामिल हैं, जिन्होंने कुछ विकेट चटकाए हैं। लेकिन टीम को और अधिक निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर तब जब पंजाब के बल्लेबाज अच्छी लय में हों। लखनऊ के मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाजों से उम्मीद होगी कि वे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बड़ी और आक्रामक पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में लाएं, ताकि टीम अपनी हार की लकीर को तोड़ सके और अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सके। यह मुकाबला पंजाब के लिए अपनी जीत की दौड़ जारी रखने का अवसर है, जबकि लखनऊ के लिए यह सीजन में वापसी करने का एक महत्वपूर्ण मौका है।

टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स = प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

लखनऊ सुपर जायंट्स = मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

सनराइजर्स हैदराबाद में हुई खुंखार गेंदबाज की एंट्री, विरोधियों पर कितना ढाएगें कहर!

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपनी स्थिति मजबूत करने की जुगत में लगी सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने दल में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। टीम ने घातक तेज गेंदबाज डेविड पेन के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए सितारे जेराल्ड कोएत्जी को शामिल किया है। पेन ने इस सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ दो मैच ही खेले थे, जिसके बाद टखने की गंभीर चोट ने उन्हें शेष टूर्नामेंट से वंचित कर दिया। जेराल्ड कोएत्जी, जिनकी उम्र मात्र 25 साल है, अपने अनुभव और आक्रामक गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह इस साल की नीलामी में किसी भी टीम द्वारा नहीं चुने गए थे, लेकिन उनका आईपीएल रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस जैसी मजबूत फ्रेंचाइजियों के लिए खेलते हुए 14 मैचों में 15 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी सटीक यॉर्कर्स और गति विरोधियों के लिए हमेशा चुनौती रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस तेज गेंदबाज को 2 करोड़ रुपये की कीमत पर अपने साथ जोड़कर अपनी गेंदबाजी इकाई को और धारदार बनाया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कोएत्जी ने अपनी पहचान बनाई है। वह हाल ही में संपन्न हुए दक्षिण अफ्रीका की टी20 विश्व कप टीम का अहम हिस्सा थे, हालांकि उन्हें दुर्भाग्यवश टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था। विश्व कप के तुरंत बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई सभी पांच टी20 मैचों में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया और अपनी फॉर्म व फिटनेस का संकेत दिया। उनकी यह वापसी टीम के लिए निश्चित रूप से फायदेमंद साबित होगी। टीम के लिए एक और बड़ी खबर यह है कि उनके कप्तान पैट कमिंस भी अब टीम से जुड़ चुके हैं। कमिंस 17 अप्रैल, शुक्रवार को दल में शामिल हुए और अब वह 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे। उनकी कप्तानी और अनुभव टीम के मध्यक्रम और गेंदबाजी आक्रमण को नई ऊर्जा देगा। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद अंक तालिका में पांचवें स्थान पर संघर्ष कर रही है और प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। कोएत्जी और कमिंस जैसे खिलाड़ियों की उपलब्धता से टीम को आगामी मैचों में आवश्यक गति और संतुलन मिलने की उम्मीद है, जिससे वे अपनी अभियान को सफल बना सकें।

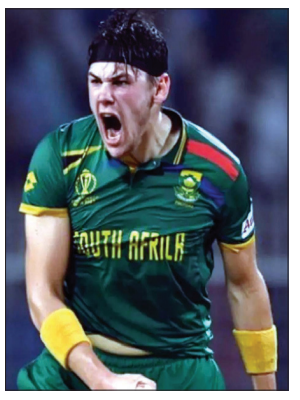

स्मृति मंधाना ने क्रिकेट जगत में रचा इतिहास: रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ बनीं भारत की सबसे सफल टी20 बल्लेबाज

–दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में हासिल की उपलब्धि

डरबन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को डरबन में खेले गए पहले टी20 मैच के दौरान मंधाना ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद संन्यास लेने से पहले 159 मैचों में 4,231 रन बनाए थे। मंधाना ने अपनी 13 रनों की पारी के दौरान जैसे ही दूसरा रन पूरा किया, वह टी20 इंटरनेशनल (पुरुष और महिला दोनों वर्गों में) भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। अब उनके नाम 161 मैचों में 4,244 रन दर्ज हैं।

किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को हालांकि 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 47 रनों की बदौलत 20 ओवर में 157/7 का स्कोर बनाया था। स्मृति मंधाना इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं और 14 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन अपनी छोटी सी पारी में उन्होंने वह ऐतिहासिक रन बटोर लिया जिसकी प्रतीक्षा क्रिकेट जगत को थी। दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (51) और एनेरी डर्कसेन (44*) की शानदार बल्लेबाजी की मदद से 19.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

स्मृति मंधाना अब महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इस सूची में शीर्ष पर न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,717 रन) का नाम आता है। पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के बाबर आजम (4,596 रन) के नाम है। रोहित शर्मा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना मंधाना के करियर की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि वह अभी सक्रिय खिलाड़ी हैं और आने वाले समय में वे सूजी बेट्स और बाबर आजम के आंकड़ों को भी चुनौती दे सकती हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज का दूसरा मैच 19 अप्रैल को खेला जाएगा।

15 साल के इंतजार के बाद बांग्लादेश में वनडे खेलेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, टी20 सीरीज का भी ऐलान

नई दिल्ली। पंद्रह साल के लंबे इंतजार के बाद ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम बांग्लादेश के दौरे पर वनडे सीरीज खेलने वाली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम सीमित ओवरों की सीरीज के लिए जून 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे पर बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी, जिसके बाद इतने ही मैचों की टी20 सीरीज का भी आयोजन होगा। इस दौरे का पूरा शेड्यूल भी सामने आ गया है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है। ऑस्ट्रेलिया की टीम का यह दौरा 9 जून को वनडे इंटरनेशनल सीरीज के साथ शुरू होगा और 21 जून तक चलेगा। वनडे सीरीज के तीनों मैच ढाका के शेर–ए–बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे, जो बांग्लादेश के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में से एक है। वहीं, टी20 सीरीज की मेजबानी चटग्राम का बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टीनेट मातिउर रहमान स्टेडियम करेगा। इस सीरीज के लिए एक नई ब्रॉडकास्टिंग राइट्स डील भी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलिया में गेम्स का टेलीकास्ट हो सकेगा। वनडे और टी20 सीरीज ऑस्ट्रेलिया में फॉक्स क्रिकेट और कायो स्पोर्ट्स पर देखने को मिलेगी। यह ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर है, क्योंकि इससे पहले जो टी20 सीरीज बांग्लादेश में खेली गई थी, उसका प्रसारण ऑस्ट्रेलिया में नहीं किया गया था।

अक्षय कुमार ने असरानी को किया याद

● '12 फिल्मों में साथ किया काम, हर बार मास्टरक्लास जैसा था'

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, ''कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी 'भूत बंगला' की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।'' कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी।

अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, ''मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था।''

अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है।'' अक्षय कुमार ने आगे कहा, 'मेरे लिए 'भूत बंगला' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।''

असरानी का निधन अक्टूबर 2025 में 84 वर्ष की उम्र में हुआ था, लेकिन उनकी कला आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

नीना गुप्ता ने गजराज राव संग तस्वीर साझा कर जाहिर की दिल की बात

'फिर साथ काम करने का इंतजार'

फिल्मी दुनिया में कुछ जोड़ियां ऐसी बन जाती हैं, जिन्हें दर्शक लंबे समय तक याद रखते हैं। ऐसी ही एक जोड़ी है, अनुभवी अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता गजराज राव की। इस कड़ी में नीना गुप्ता ने एक खास तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपनी दिल की बात जाहिर की, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। नीना गुप्ता द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में दोनों कलाकार बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। नीना गुप्ता ने प्रिंटेड साड़ी पहन रखी है, वहीं गजराज राव भी अपने खास स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहनी हुई है। इस तस्वीर को साझा करते हुए नीना गुप्ता ने लिखा, ''मैं गजराज राव के साथ दोबारा काम करने का इंतजार कर रही हूं।''

आयुष्मान खुराना ने एक्टर को बताया लीजेंड

रणबीर कपूर टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में शामिल

'रामायण' में राम का किरदार निभाने जा रहे अभिनेता रणबीर कपूर के नाम एक खास उपलब्धि जुड़ी है। रणबीर 2026 के टाइम मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों में शामिल हैं। जानिए रणबीर के लिए मैग्जीन की ओर से क्या कहा गया...

टाइम मैग्जीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर का भी नाम शामिल है। रणबीर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणबीर के अलावा लिस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और शेफ विकास खन्ना का भी नाम शामिल है।

आयुष्मान खुराना ने लिखा रणबीर के लिए लेख

आज जारी हुई इस लिस्ट में वित्त, मनोरंजन, टेक्नोलॉजी, खेल, सामाजिक कार्य और शिक्षा जगत सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। हालांकि, रणबीर कपूर की ओर से अब तक इस उपलब्धि पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फीचर में रणबीर कपूर के लिए लिखा गया लेख अभिनेता आयुष्मान खुराना ने लिखा है। इसमें आयुष्मान ने लिखा, 'कुछ अभिनेता विरासत बनाने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ अपनी कला से ही विरासत बन जाते हैं। रणबीर कपूर इसी श्रेणी में आते हैं। भारतीय सिनेमा जैसी इंडस्ट्री में हम अक्सर महानता को शोर-शराबे से मापते हैं, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, फैंस की दीवानगी, ओपनिंग वीकेंड। लेकिन कभी-कभी कोई अभिनेता कुछ ऐसा कर दिखाता है, जो शांत होते हुए भी कहीं अधिक स्थायी होता है। दर्शकों के रूप में हमारी इमोशनल शब्दावली। रणबीर यही काम अपनी फिल्मों के साथ करते आ रहे हैं।'

विश्व स्तर पर हमारे कल्चर को दिखा रहे रणबीर

अपने लेख में आयुष्मान ने आगे लिखा, 'ऐसी दुनिया में जहां अभिनय को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, रणबीर उसे अपने भीतर उतारते हैं। वो शांत संयम से हमारे कल्चर को दिखाते हैं। वो उस भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अंततः खुद को सुनना सीख रहा है और अपनी सरल प्रामाणिकता से एक छाप छोड़ते हैं। वैश्विक स्तर पर रणबीर जैसे अभिनेता महत्वपूर्ण कल्चरल ब्रिज (पुल) बन जाते हैं।

वो एक ऐसे भारत का प्रतीक हैं, जो न केवल आकार में बल्कि संवेदनशीलता में भी विकसित हो रहा है। हमारा सिनेमा दुनिया को प्रभावित कर रहा है। रणबीर सिर्फ एक फिल्म स्टार नहीं हैं, बल्कि एक कहानीकार हैं जो ग्लोबल ऑडियंस से बात कर रहे हैं। उन्हें एक ऐसे पौराणिक देश की कहानियां सुना रहे हैं, जहां रामायण जैसे महाकाव्यों ने अन्य सभ्यताओं और संस्कृतियों को प्रेरित किया है।'

अरिजीत सिंह की फैन बनीं निकिता गांधी, कहा- 'उनके सफर से मैंने बहुत कुछ सीखा है'

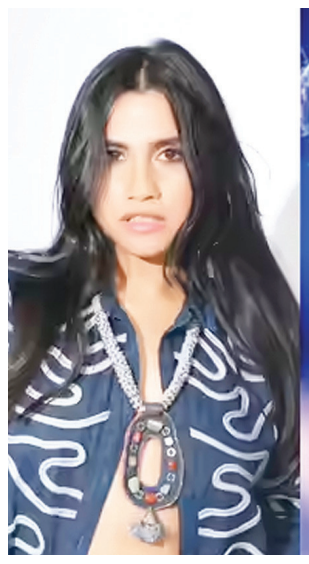

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अपने बहुमुखी गायन से फैंस के दिलों में खास जगह बना चुकी निकिता गांधी ने अरिजीत सिंह के साथ कई गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने हाल ही में के साथ बातचीत में बताया कि वे अरिजीत की बहुत बड़ी फैन हैं। निकिता कहती हैं, 'मैं अरिजीत की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और मैं उनके सफर और गायकी का बहुत सम्मान करती हूं। मैं खुद भी एक बहुमुखी गायिका हूं। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मैंने उनके सफर से बहुत कुछ सीखा है। बेशक, इस बात का बहुत दुख है कि अभी वे नए दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन उन्होंने बहुत सारा काम किया है और इस इंडस्ट्री को अपना बहुत कुछ दिया है।' निकिता गांधी ने आगे अपने सफर को याद किया। उन्होंने बताया कि पहले फिल्मों में गाना शुरू किया, उसके बाद अपना इंडी म्यूजिक रिलीज किया। आमतौर पर लोग पहले इंडी करते हैं और फिर फिल्मों में आते हैं, लेकिन मेरा सफर उल्टा रहा। कॉलेज के दिनों में मैंने तमिल फिल्मों में गाना शुरू किया। उस समय म्यूजिक इंडस्ट्री में आने का मेरा कोई भी प्लान नहीं था, लेकिन साउथ इंडस्ट्री और फिर बॉलीवुड में मौका मिला। उसके बाद उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता कहती हैं, 'यह बहुत अलग और शानदार सफर रहा, क्योंकि मैंने कभी सिंगर बनने का सपना नहीं देखा था। इसलिए, मैंने इसे प्यार से किया और अपने करियर का पूरा मजा लिया। लाइव परफॉर्मेंस और स्टूडियो रिकॉर्डिंग के बीच अंतर पर बात करते हुए निकिता ने बताया कि दोनों अनुभव बिल्कुल अलग हैं। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। लाइव शो में दर्शकों की मिली-जुली ऊर्जा मिलती है, जो बहुत खास होती है। वह पल उसी समय का होता है और चला जाता है। हर कोई उस अनुभव को महसूस करता है। दूसरी ओर, स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करते समय परफेक्शन पर जोर होता है। जब आप स्टूडियो में सॉन्ग रिकॉर्ड करते हैं, तो परफेक्शन के लिए तीन-चार बार टेक लेते हैं, जब तक गाना एकदम सही न हो जाए। क्योंकि यह रिकॉर्डेड चीज हमेशा के लिए रह जाती है। इसलिए इसे जितना बेहतर बना सकते हैं, उतना बेहतर बनाते हैं। इसमें समय और कड़ी मेहनत लगती है।

शूटिंग के दौरान जब

तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गईं, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गईं। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने 'मस्ती', 'नो एंट्री', 'भागम भाग', 'पार्टनर' और 'हाउसफुल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने गुलशन ग्रोवर से जताई इच्छा; 'बैडमैन' ने दिया ये रिएक्शन

'तुम्हें होना चाहिए था रहमान डकैत'

बॉलीवुड के 'बैड मैन' कहे जाने वाले गुलशन ग्रोवर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस सीरीज में वो विजय वर्मा के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्राइम स्टोरीज के विकास को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें अब बड़े और खूंखार विलेन के दौर की याद आती है। इस दौरान एक्टर ने 'धुरंधर' और रहमान डकैत के किरदार को लेकर भी बात की।

वक्त के साथ बदलना जरूरी है

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान गुलशन ग्रोवर ने सिनेमा में क्राइम कहानियों के विकास और बदलाव को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि विकास और बदलाव हर जगह हो रहे हैं। चाहे वह कहानी कहने का तरीका हो, निर्देशन हो, अभिनय हो, सब कुछ बदलना तय है। मेरा मानना है कि जो लोग बदलाव के साथ नहीं चलते, वे भले ही आधुनिक कपड़े पहनते हों, लेकिन उनकी सोच पुरानी ही रहती है। आप कुछ बूढ़े लोगों को पेड़ के नीचे हुक्का पीते हुए और अपने जमाने की बातों का बखान करते देखते होंगे, मैं उनसे सहमत नहीं हूं। आपको लगातार बदलना होगा।

खौफनाक विलेन की हो गई कमी

खौफ पैदा करने वाले विलेन की कमी पर गुलशन ग्रोवर ने कहा कि यह क्रिएटिव कमी के बजाय सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। मुझे नहीं लगता कि उन खलनायकों का गायब हो जाना कोई समस्या है। वे वापस आएंगे। क्योंकि फिल्ममेकर वही लिखते हैं, जो समाज में घट रहा होता है। वे वहीं से प्रेरणा लेते हैं। ऐसे किरदार आज कम दिखाई देते हैं, क्योंकि असल में उनके जैसे लोग कम ही देखने को मिलते हैं।

गुलशन गको रहमान डकैत के किरदार में देखना चाहते शत्रुघ्न सिन्हा

हाल ही में हुई एक मुलाकात को याद करते हुए गुलशन ग्रोवर ने एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले शत्रुघ्न सिन्हा, राकेश रोशन और शशि रंजन हम सब डिनर कर रहे थे। मैं देर से पहुंचा तो शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मैंने धुरंधर देखी। गुलशन वो एक ऐसी फिल्म थी जिसमें आपको होना चाहिए था।' शत्रुघ्न ने ये भी कहा कि अगर मैंने अक्षय खन्ना का रहमान डकैत का किरदार निभाया होता तो कितना अच्छा होता। तो मैंने कहा, 'मैं भी इससे सहमत हूं। जनता भी सहमत है।'

अकेलेपन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच ही है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से

सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।

समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज

सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।

समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)

सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन

सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।

समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।